प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले, फंडिंग से नहीं जन सहयोग से चलता है आरएसएस, मोहन भागवत ने की अर्जुन से तुलना मोहन भागवत ने कहा कि गीता गीता उलझन में फंसे विश्व के लिए समाधान प्रस्तुत

हमें सिखाती है कि समस्या से भागो मत, बल्कि उसका डटकर सामना करो। उन्होंने कहा कि हमें धर्म की रक्षा के लिए लडना है।राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज जिस तरह से पूरी दुनिया लड़खड़ा रही है, वैसे ही महाभारत के दौरान अर्जुन भी लड़खड़ा गए थे और अपने बंधुओं के खिलाफ हथियार उठाने से मना कर दिया था। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें श्रीमद्भागवत गीता के माध्यम से मोह से मुक्त होने का ज्ञान दिया था। जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को आयोजित



सक्षिप्त समाचा

बृजभूषण शरण सिंह का एलान, जनता सांसद के रूप में देखना चाहती 2029 में जरूर लड़ेंगे चुनाव

बृजभूषण शरण सिंह ने एलान किया है कि जनता मुझे सांसद के रूप में देखना चाहती है, इसलिए 2029 का चुनाव जरूर लड़ेंगे। उनके इस बयान से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। यूपी के कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने 2029 चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहती है। इसलिए, 2029 का चुनाव लडूंगा। मुझे परिस्थिति जन्य रिटायर कर दिया गया है।

क्षेत्र की जनता ने उन्हें रिटायर नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जनता उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहती थी, मैंने भी उस निर्णय को स्वीकार किया है।

हालांकि पार्टी ने उनके बेटे को टिकट दिया। आज भी देवी पाटन मंडल की जनता उन्हें सांसद के रूप में देखना चाहती है। इसलिए, मैंने 2029 का चुनाव लड़ने का तय किया है। इस बयान को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है।दरअसल, बृजभूषण शरण सिंह छह बार सांसद रहे हैं। वह गोंडा, बलरामपुर व कैसरगंज संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। एक बेटा करन भूषण सिंह सांसद व दूसरा बेटा प्रतीक भूषण सिंह विधायक है। पत्नी केतकी सिंह भी सांसद रह चुकी हैं

दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव के अतिथि दौरान मुख्य सरसंघचालक ने कहा कि विश्व में शांति की स्थापना गीता की अवधारणा पर ही संभव है।जीओ गीता परिवार की ओर से आयोजित भव्य समारोह का उद्घाटन सरसंघचालक मोहन भागवत और विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम से समारोह की शुरुआत हुई। दोनों अतिथियों को जीओ गीता परिवार के प्रमुख ज्ञानानंद महाराज ने गीता की प्रति भेंट की। इस दौरान मुख्य मंच से अलग एक अन्य मंच से बटुकों ने गीता के श्लोकों का स्वरबद्ध पाठ किया। सहारनपुर के विद्यालय के दिव्यांग छात्रों ने ब्रेल लिपि के माध्यम से स्वस्तिवाचन कर गीत प्रस्तुत किया तो वहीं भजन गायकों ने जाने क्या जादू भरा हुआ भगवान तुम्हारी गीता में... के माध्यम से श्रोताओं को आनंदित कर दिया।मोहन भागवत ने कहा कि गीता हमें सिखाती है कि समस्या से भागो मत, बल्कि उसका डटकर सामना करो। उन्होंने कहा कि हमें धर्म की रक्षा के लिए लड़ना है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि हम गीता के ज्ञान को समझें और 700 श्लोकों में से अगर प्रतिदिन हम गीता के दो श्लोक भी रोज पढ़कर उसका मर्म समझने का प्रयास करेंगे तो एक वर्ष के भीतर ही हम आत्मज्ञान प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ जाएंगे। गीता के पथ पर चलकर ही भारत विश्वगुरु बन सकता है। इस दौरान उन्होंने रामायण काल में राजा जनक के एक स्वप्न का जिक्र किया जिसमें वे देखते हैं कि उन्हें उनके ही देश से निकालने का आदेश हो जाता है। इसके माध्यम से बताया कि परिस्थितियों का रोना रोने से कुछ नहीं होगा, वे तो आती-जाती रहती हैं। मोहन भागवत ने कहा कि हमें खुद से ज्यादा धर्म की चिंता होनी चाहिए। भारत पर अनिगनत आक्रमण

और धर्मांतरण के बावजूद हमारा वजूद नहीं मिटा और अब हम राम मंदिर पर ध्वजा फहराने जा रहे हैं। आचार्य महासभा के समन्वयक स्वामी परमात्मानंद और जगदुरु रामानुजाचार्य ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जगद्गरु विष्णु स्वामी सतुआ बाबा, महंत धर्मेंद्र दास, राज्य सभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा, एमएलसी पवन सिंह चौहान, मंत्री संजय निषाद, मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, राजीव गोयल, हास्य कवि सर्वेश अस्थाना, पूर्व डीआईजी दिनेश चंद्र दुबे, सुधीर हलवासिया, रामलाल, स्वांत रंजन समेत बड़ी संख्या में संघ, भाजपा और जीओ गीता परिवार के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। फंडिंग से नहीं जन सहयोग से चलता है आरएसएस = योगी- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुझसे जब कोई पूछता है कि आरएसएस को फंडिंग कहां से होती है तो मैं जवाब देता हूं कि संघ को किसी ओपेक देश या अंतरराष्ट्रीय चर्च से फंडिंग नहीं होती है, बल्कि यह जन सहयोग से चलने वाला संगठन है जो आमजन की सेवा में लगा है। सौ वर्ष के इतिहास में संघ ने कभी दूसरों की तरह सौदेबाजी नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी नहीं कहा कि हमारी उपासना पद्धति श्रेष्ठ है। सांस्कृतिक व आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होने के बावजूद हमने

अपनी श्रेष्ठता का डंका नहीं

पीटा। हमारे सामने जो भी

पीड़ित आया, उसकी मदद की,

यही सनातन धर्म की विशेषता

है। उन्होंने कहा कि अपने धर्म

के लिए मरना अच्छा है, लेकिन

लालच में धर्मांतरण करना

महापाप है। उन्होंने कहा कि युद्ध

का क्षेत्र भी हमारे लिए धर्म

क्षेत्र है। सनातन धर्म में हमें

सिखाया गया है कि अच्छे कर्म

का परिणाम अच्छा और बुरे का

बुरा होता है। गीता हमें सिखाती

है कि फल की इच्छा के बिना

निष्काम कर्म करते रहना चाहिए।

हमने विश्व को जीओ और जीने

दो के साथ वसुधैव कुटुंबकम

की अवधारणा दी। दुनिया में

महाभारत जैसी स्थिति, गीता ही समाधान = स्वामी ज्ञानानंद-जीओ गीता परिवार के प्रमुख स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि पूरी दुनिया में इस समय महाभारत जैसे हालात हैं और ऐसे में गीता ही इसका समाधान हो सकती है। उन्होंने कहा कि दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव का उद्देश्य एक ऐसी प्रेरणा है जिससे हम गीता को पढ़ें, समझें और मनन कर इसका जीवन में सकारात्मक उपयोग करें। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण के बादल छंट रहे हैं और सनातन का उदय हो रहा है। ऐसे में गीता का संदेश जन-की जरूरत है। राष्ट्रीय डॉक्टर मोहन राव भागवत ने कहा कि नैतिक भ्रम, संघर्ष और शांति की कमी से जुझ रहे विश्व के लिए भगवद् गीता कालातीत मार्गदर्शन प्रदान करती है। ये किसी के भी जीवन को परिवर्तित करने की क्षमता रखती है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत ने हमने ही दी।

करती है... लखनऊ में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत रविवार को कहा कि नैतिक भ्रम, संघर्ष और शांति की कमी से जूझ रहे विश्व के लिए भगवद् गीता कालातीत मार्गदर्शन प्रदान करती है।लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में रविवार को आयोजित %%दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव%% को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल औपचारिकता मात्र नहीं है, बल्कि लोगों को गीता के अनुसार जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है।उन्होंने कहा कि हम लोग फ्रगीताजीवीफ हैं। भगवद् गीता को अपने जीवन में जीते हैं। उन्होंने वहां मौजूद स्रोताओं से कहा कि गीता में 700 श्लोक हैं। अगर हर दो सिर्फ दो श्लोक का पाठ किया जाए तो एक वर्ष में ही जीवन गीतामय हो जाएगा।सीएम योगी बोले, गीता हमें जीवन जीने की ही कला सिखाती है इसके मुख्यमंत्री योगी पहले आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीमद्भागवत गीता के 18 अध्यायों में वर्णित 700 श्लोक सनातन धर्मावलंबियों के लिए जीवन का मंत्र हैं। हमने धर्म को मात्र उपासना विधि नहीं माना है। यह तो अपनी आस्था के अनुसार तय होती है। वास्तव में धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है। गीता हमें जीवन जीने की ही कला सिखाती है। हमने कभी भी अपनी श्रेष्ठता का डंका नहीं पीटा। जीयो और जीने की अवधारणा भारत की धरती ने ही विश्व को दी है। वसुधैव कुटुंबकम् की प्रेरणा भी

बूथ स्तर के अधिकारियों की मौत के बाद कांग्रेस ने EC& BJP को घेरा, राहुल बोले- यह नाकामी नहीं, षड्यंत्र है कांग्रेस ने एसआईआर के दौरान

बूथ स्तर के अधिकारियों की मौत को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला किया और इसे जानबूझकर उत्पीड़न और नागरिकों को परेशान करने की साजिश करार दिया। पार्टी के नेता राहुल गांधी ने कहा कि 16 बीएलओ की मौत एसआईआर के दबाव का नतीजा है और यह सुधार नहीं बल्कि थोपा गया जुल्म है।कांग्रेस ने रविवार को विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में लगे कुछ बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) की मौत को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर हमला किया। पार्टी ने इसे जानबूझकर दमन और नागरिकों को परेशान करने की साजिश करार दिया। विपक्षी पार्टी ने कहा कि अतिरिक्त दबाव के कारण इन अधिकारियों की मौतों को सामान्य नुकसान मानकर नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी के नेता राहल गांधी ने कहा कि एसआईआर के नाम पर देश भर में अफरा-तफरी मचा रखी है- नतीजा? तीन हफ्तों में 16 बीएलओ की जान चली गई। दिल का दौरा, तनाव, आत्महत्या.. एसआईआर कोई सुधार नहीं, थोपा गया जुल्म है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग ने ऐसी प्रणाली बनाई है, जिसमें नागरिकों को खुद को तलाशने के लिए 22 साल पुरानी मतदाता सूची में हजारों स्कैन पन्ने उलटने पड़े। मकसद साफ है- ही मतदाता थककर हार जाए और वोट चोरी बिना रोक-टोक जारी रहे। उन्होंने आगे कहा, भारत दुनिया के लिए अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर बनाता है। मगर भारत का चुनाव आयोग आज भी



अपनों को खोया है, उनको गहरी संवेदनाएं। जमीनी हकीकत के मुताबिक ये संख्या रिपोर्ट से कहीं अधिक है, जो बेहद चिंताजनक है। इन परिवारों

मेंज बिना योजना के जबरन एसआईआर लागू करना नोटबंदी और कोरोना लॉकडाउन की याद दिलाता है।सत्ता का दुरुपयोग कर संस्थानों से आत्महत्या करवाना, संविधान की धज्जियाँ उड़ाना और लोकतंत्र को दुर्बल बनाना भाजपा की सत्ता की भूख का नतीजा है। अब बस! अगर अभी भी हम नहीं जागे तो लोकतंत्र के आखरी स्तंभों को गिरने से कोई नहीं बचा सकता। जो लोग एसआईआर और वोट चोरी पर चुप हैं वो इन निर्दोष बीएलओ की मृत्यु के कसूरवार है। आवाज उठाइए, लोकतंत्र बचाइए। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में एक महिला बीएलओ अपने घर में पंखे से लटकी मिली। उनके परिवार ने बताया कि वह एसआईआर से जुड़े काम के कारण तनाव में थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मौत पर आश्चर्य जताया और कहा कि यह अब %सच में चिंताजनक% हो गया है। चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया गया। हालांकि, भाजपा के वरिष्ठ नेता राहुल सिन्हा ने दावा किया कि सुसाइड नोट फर्जी है। इसके अलावा, मध्य को न्याय कौन दिलाएगा? प्रदेश के रायसेन और दमोह उन्होंने कहा, भाजपा चोरी की जिलों में एसआईआर के लिए



सत्ता की मलाई खाने में व्यस्त काम करने वाले दो शिक्षकों है और चुनाव आयोग मूकदर्शक की बीमारियों के कारण मौत बने तमाशा देख रहा है। हड़बड़ी हुई।

अल्पसंख्यकों के लिए महायुति सरकार की योजनाएं बदल रहीं तस्वीर;अजीत पवार ने गिनाई उपलब्धियां

अजीत पवार ने अऊसा नगर परिषद चुनाव प्रचार में कहा कि महायुति सरकार अल्पसंख्यकों के लिए ?500 करोड़ फंड, विदेश छात्रवृत्ति, महिला स्वयं सहायता समूह और नए कमिश्नरेट जैसे बड़े कदम उठा रही है।महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी प्रमुख अजीत पवार ने अऊसा नगर परिषद चुनाव प्रचार के दौरान महायुति सरकार की अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं को जोरशोर से जनता के सामने रखा। पवार ने कहा कि सरकार ने अल्पसंख्यक समाज की तरक्री के लिए कई फैसले लिए हैं, जिनका लाभ बड़ी संख्या में स्थापित किया गया है। पवार ने



कि मौलाना आजाद कॉरपोरेशन हर जिले में अल्पसंख्यक सेल का बजट पहले जहां सिर्फ ?30 करोड़ था, उसे बढ़ाकर ?500 करोड़ कर दिया गया है। इसके साथ ही छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) में एक समर्पित अल्पसंख्यक आयुक्तालय भी लोग उठा रहे हैं।उन्होंने बताया कहा कि आने वाले समय में

की स्थापना की जाएगी, जिससे योजनाओं का लाभ सीधे समुदाय तक पहुंचेगा।75 छात्रों को हर साल ?40 लाख की स्कॉलरशिप- अजीत पवार ने बताया कि महायुति सरकार ने अल्पसंख्यक छात्रों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ा कदम

उठाया है। हर साल 75 अल्पसंख्यक छात्रों को ?40 लाख की विदेशी छात्रवृत्ति दी जा रही है।

स्वयं सहायता समूह बनाए से जीत दिलाएं।

जाएंगे। किसानों के लिए ?42,000 करोड़ की मदद-अऊसा की सभा में पवार ने किसानों को दी गई सहायता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि असमय बारिश से प्रभावित किसानों के लिए सरकार ने ?32,000 करोड़ का दिवाली पैकेज, और उसके बाद अतिरिक्त ?10,000 करोड़ जारी किए हैं।

अजीत पवार ने कहा कि एनसीपी अऊसा के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा ऐसे जिलों में जहां उन्होंने जनता से अपील की अल्पसंख्यक आबादी अधिक कि नगर परिषद अध्यक्ष पद है, वहां महिला आर्थिक विकास के लिए पार्टी प्रत्याशी परवीन निगम के जरिए 2,800 महिला नवाबोद्दीन शेख को भारी मतों

संपादकीय Editorial

Disaster-Marked Elections While the Election Commission is four steps ahead in the local body elections, it has yet to move forward in the disaster-ravaged state. The entire state is struggling to recover from the dawn of its recovery, hoping for compensation, rehabilitation, and relief under the Disaster Act. While some areas are still trying to heal their wounds, the election afternoon is a perfect time for the Commission. This means that the state's future is being viewed from two perspectives. On the one hand, the government, instead of setting a date for local body elections, is scrambling for fifteen hundred crore rupees in central disaster relief orders and additional funds to compensate for the massive losses. In this situation, the State Election Commission finds it easier to brush aside the originality of electoral considerations, while on the other hand, the state government preoccupied with its own work and solutions, is maintaining its stance on the continuity of the Disaster Act. This means that it needs the expediency of holding elections sometime soon. In the third year of power, local body elections are a stepping stone for the opposition's preparations in state politics. While the government has to function, the opposition has to make a name for itself in the political arena. However, the Election Commission is directly questioning the government's intentions. According to **State Election Commissioner Anil Kumar** Khachi, the publication of voter lists and the determination of reservation rosters, which should have been done with such urgency is being simply postponed. The extent of truth and misinformation in this controversy is no longer a simple answer to a simple question. At one point, the debate over elections has become the opposition's court while at another, the government's stance is now seeking legal recourse. Panchavat and municipal elections in Himachal Pradesh have been a testament to the political awareness of the people here, so it cannot be said that any delay will create a pause. Despite this, the arguments of both sides cannot be one-sided. Ground reports from disaster-affected areas indicate that many villages remain disconnected. The Leader of the Opposition himself has expressed this pain in his constituency, and the scars of the rain disaster are still gnawing at the need for relief in districts like Kullu, Mandi Chamba, and Sirmaur. A large part of Himachal Pradesh is either cut off from connectivity or overlooked in need of immediate relief. After all, these elections are for the people, for those whose homes have been destroyed or their entire farmland has been washed away. In some places, entire villages have been wiped out, and in others. markets have been wiped out. The Election Commission's yardstick for activism cannot be one-sided; rather, a comprehensive survey should examine the very surface upon which our democracy performs its duties. In such a situation, it must be acknowledged that this time, not just an election issue, but an election has certainly found an issue. It may be easier to create election lists in some villages and cities, but it is also wrong to assume that the wounds of the rains have completely healed. Obviously, elections cannot be fought against disasters, but the central government can be questioned for disaster relief, asking why the path to restoring normalcy has been blocked. However, Himachal Pradesh, which is undergoing a transformation in the wake of local body elections, has given rise to numerous political ambitions. Many new and young faces, with political aspirations, are waiting for the public to be presented with an alternative. The upcoming elections hold hope for urbanization in the state, while the changes in rural areas require some easing of the TCP law's requirements. Whatever the case, this conflict is unnecessary.

Terrorism poses a challenge, caution is essential

Considering all aspects, the Delhi terror attack underscored the fact that the fight against terrorism cannot be relaxed. Security agencies deserve praise for thwarting the plans of terrorists preparing to target multiple locations, but they cannot be absolved of responsibility and accountability for the Red Fort blast. Terrorist attack near the Red Fort raises questions about security arrangements. A horrific terrorist attack near the ramparts of the Red Fort, from where the Prime Minister of India addresses the nation every Independence Day, has raised many questions. Due to the government's zero-tolerance policy towards terrorism and the proactiveness of the security establishment, the country has remained largely safe from terrorist attacks over the past few years, but this attack has eroded that confidence in security. It is also being said that security agencies uncovered a major conspiracy, and the Delhi blast was the result of that frustration. Shortly before this, security agencies had arrested a terrorist module of doctors in Faridabad and seized a large quantity of explosives. It is believed that the terrorists, shocked by this sudden action, vented their anger by carrying out an unplanned blast in Delhi. While this is being called a random terrorist attack, some underlying factors cannot be ignored. After experiencing unrestrained movement in many areas of the National Capital Region, the terrorists chose a prime location in Delhi for the blast. This area is not only historically significant but also a major hub of commercial, cultural, and tourist activities. The time chosen for the blast is relatively busy. Clearly, the terrorists wanted to cause maximum damage. This has certainly damaged the facade and sense of trust built around security against terrorism. Investigative agencies are investigating every possible angle, but there are good reasons to believe that Pakistan is behind this. Pakistan uses terrorism as a state policy, but it appears that, threatened by India's actions after Operation Sindoor, Pakistan has shifted its strategy. This is why, during the initial investigation, the attack appeared to have links from Bangladesh to Turkey. The former Prime Minister of occupied Jammu and Kashmir's confession also confirms Pakistan's nefarious intentions. On the day of the attack, security agencies were unsure whether it was a terrorist attack, but as the investigation progressed, the clouds of doubt began to clear. The video of the suicide bomber, Dr. Umar, confirmed the existence of a destructive jihadist mindset. Shortly after the Delhi terrorist attack, a blast occurred in Pakistan's capital, Islamabad. This explosion occurred in a judicial complex, an area frequented by dignitaries. Jamaat-ul-Ahrar, a former affiliate of the Tehreek-e-Taliban (TTP), has claimed responsibility for the attack. Pakistan has alleged that the terrorist attack was instigated by India. Pakistan's intention behind this appears to be to create a counter-narrative. Its formula is simple: before questions are raised about Pakistan for the Delhi attack, it targets India for the Islamabad blast. Pakistan has been at odds with the ruling Taliban in Afghanistan for some time, so it is trying to kill two birds with one stone: that Afghanistan, at India's instigation, is fomenting unrest in its territory. Pakistan, notorious as the world's largest exporter of terror, wants the world to view India with suspicion regarding terrorism. In the current scenario, it is also impossible to ignore the trend that whenever America supports Pakistan, terrorist activities are encouraged there. The Trump administration's changed attitude towards Pakistan during its second term is a testament to this. The Pahalgam terrorist attack in April this year was a prime example. Operation Sindoor and then President Trump's sycophancy regarding ceasefire and mediation also created favorable conditions for Pakistan. While repeated rejections of Trump's claims have somewhat soured India's relations with the United States, this was also reflected in the uncertainty surrounding the trade agreement with the United States. It is a good thing that President Trump's approach towards India has softened in recent days. Hopes have also increased regarding a trade agreement, which India will need to accelerate its efforts to finalize. A trade agreement with the United States will provide India with a strategic shield against Pakistan. This will reduce India's fear of US intervention in the event of any potential action against Pakistan. Otherwise, Trump's stance will continue to cause problems. Considering all aspects, the Delhi terrorist attack underscored that there can be no let-up in the fight against terrorism. Security agencies deserve praise for thwarting the plans of terrorists preparing to target multiple locations, but they cannot be absolved of responsibility and accountability for the Red Fort blast. It is a good thing that from Prime Minister Modi to Home Minister Amit Shah and Defense Minister Rajnath Singh, strong messages have been given from the top level that the culprits will not be spared. They will not be spared, and they will be hunted down, even from the depths of the earth, and taught a lesson. Meanwhile, we must ensure that the security establishment and intelligence agencies strengthen their defenses. Diplomatic efforts must also be accelerated to continue exposing anti-India forces, including Pakistan, on a global scale, demonstrating how some countries continue to pose as enemies of regional and global peace.

Nitish Kumar has become Bihar's need, a rare leader who can reverse the anti-incumbency factor.

Nitish Kumar's acceptance in Bihar politics increased with the support of the BJP. Meanwhile, Lalu Yadav's political influence has led to the RJD's declining support base. His image suffered a setback when, after being implicated in the fodder scam, he decided to hand over the post of Chief Minister to his wife, Rabri Devi—despite his own lack of political experience. Nitish Kumar received support from the BJP, while the RJD's support base has steadily declined. Rabri Devi's appointment as Chief Minister is controversial. As Nitish Kumar prepares to take oath as Chief Minister of Bihar once again, Lalu Prasad Yaday, once considered a leader of even greater stature and influential in national politics, has become completely weak, and his Rashtriya Janata Dal is in crisis. Nitish Kumar has been Chief Minister for almost 20 years. He has also served as a minister at the Centre. Despite being in power for so long, he faces no allegations of corruption, defamation, or nepotism. This image sets him apart from others. He emerged as a leader whom the people voted back to power in this assembly election. Even after 20 years, he is a rare leader who exemplifies the influence of the ruling party rather than the opposition. Leaders like Lalu Yaday, Nitish Kumar, and Ram Vilas Paswan once coexisted in the Janata Dal. The 1989 Lok Sabha and 1990 assembly elections in Bihar were fought under the joint leadership of Lalu and Nitish. After Lalu Prasad became Chief Minister, he began to pursue a different path. In 1994, the Samata Party was formed under the leadership of George Fernandes, but the desire for social change in Bihar was so strong that Lalu Yadav's charisma was undeniable. The Samata Party was badly defeated in the Lok Sabha and assembly elections, but Nitish Kumar's spirits remained intact. At the same time, Atal Bihari Vajpayee, Advani Singh, and George and Nitish Kumar jointly announced the NDA, and a large national support group began to form around it. Nitish Kumar's acceptance in Bihar politics increased with the support of the BJP. Meanwhile, Lalu Yadav's political influence eroded the RJD's support base. His image suffered a setback when, after being implicated in the fodder scam, he decided to hand over the post of Chief Minister to his wife, Rabri Devi, despite having no political experience. Consider that while Lalu Yadav, facing the prospect of jail, chose to hand over power to his wife, who lacked political experience, after losing the 2014 Lok Sabha elections, Nitish Kumar took over and appointed Jitan Ram Manjhi as Chief Minister. This illustrates how leaders who began their political careers together can shape their political careers differently. By 2000, Lalu Yadav had become a leader of a specific section of the backward classes, while Nitish Kumar succeeded in increasing his acceptability. However, many challenges remained. After the 2000 assembly elections, Nitish Kumar was sworn in as Chief Minister of the state, but he had to resign because the NDA government lacked the confidence of a majority. Subsequently, he was offered the opportunity to become a Union Minister in the Atal Bihari Vajpayee government, holding portfolios such as Agriculture, Railways, and Shipping. The transparency and efficiency in the operation of his ministries gave him a significant edge over Lalu Yadav. Discussions about their working styles began to rage throughout Bihar, especially in villages and streets. In this atmosphere, the 2005 assembly elections began. The NDA hesitated in declaring a chief ministerial candidate. Even within the JDU, there was disagreement about Nitish Kumar's name. The first phase of the elections seemed to be unfavorable for the NDA. In such a climate, one day, while campaigning for the NDA, a journalist friend broke the news that L.K. Advani had announced Nitish Kumar's name as the Chief Minister in Ranchi. Following this, Nitish's rallies suddenly began to attract larger crowds. The 2005 results were in favor of the NDA, but the majority figure was still slightly off. Ram Vilas Paswan, having distanced himself from both alliances, contested the elections separately. With his 29 seats, he was insisting on a Muslim as Chief Minister. Due to his failure to join any party, the Assembly became hung. A sense of insecurity was growing among the MLAs due to the possibility of a dissolution. Meanwhile, an urgent meeting was called at the residence of party president George Fernandes. I was present at the meeting along with Nitish Kumar, Sharad Yadav, Rajiv Ranjan alias Lallan Singh, Digvijay Singh, and Prabhunath Singh. After much deliberation, a leader suggested that some funds should be arranged by talking to the MLAs so that the process of forming a government could proceed. Hearing this, Nitish Kumar folded his hands and said, "If this is the way to achieve the Chief Ministership, then I do not want it." After this incident, in the eyes of those who practiced politics of purity and principles, his stature began to be seen as greater than the Chief Ministership. In October 2005, reelections were held, and the Janata Dal (United) emerged as the largest party, winning 88 seats. Nitish Kumar became the Chief Minister of Bihar, and this began the process of building a new Bihar.

जिलाधिकारी द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था, गन्ना खरीद एवं अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में की गई समीक्षा।

चीनी मिलों द्वारा प्रतिदिन प्रत्येक गन्ना ऋय केन्द्र पर प्रात: 08 बजे से सायं 05 बजे तक गन्ना खरीद की जाये। गन्ना ढुलाई वाहनों को ओवरहाईट न किया जाये तथा प्रत्येक गन्ना ढुलाई वाहनों पर

रिफ्लेक्टर युक्त लाल रंग का कपड़ा अनिवार्य कृषकों के लिए अलाव, किसान विश्राम शेड सप्ताह के अन्दर पेराई सत्र 2024-25 का अवशेष जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित ऐसी चीनी मिलें जिनके द्वारा जनपद-मुरादाबाद अध्यासियों, जिला गन्ना अधिकारी, मुरादाबाद यातायात व्यवस्था, निर्बाध गन्ना खरीद तथा के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गई। द्वारा उठाई गयी गन्ना कृषकों से सम्बन्धित समस्याओं का त्वरित समाधान किये जाने हेतु कि चीनी मिलों द्वारा प्रतिदिन प्रत्येक गन्ना ऋय खरीद का कार्य कराया जाये तथा ऋय केन्द्रों पर को शिकायतों के निराकरण हेतु ऋय केन्द्रों पर प्रतिदिन गन्ना ऋय केन्द्र से गन्ना उठान किया



रूप से लगा हो। सर्दी के मौसम में बचाव हेतु गन्ना की व्यवस्था की जाये। चीनी मिल बिलारी द्वारा एक गन्ना मूल्य भुगतान कृषकों को किया जाये। सभागार में जनपद-मुरादाबाद एवं बाह्य जनपदों की से गन्ना खरीद की जाती है, उनके यूनिट हेड/ एवं सहायक चीनी आयुक्त, के साथ सड़क सुरक्षा एवं पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान जिलाधिकारी द्वारा कृषक संगठनों तथा जनप्रतिनिधियों समस्याओं से अवगत कराते हुए गन्ना कृषकों की निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया केन्द्र पर प्रात: 08 बजे से सायं 05 बजे तक गन्ना तौल लिपिक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। घटतौली मानक अनुरूप 05 कुन्तल के बॉट रखे जाये तथा जाये, ताकि गन्ने का प्लॉट से उठान न होने पर

आगामी दिवस में तौल कार्य प्रभावित न हो सके। गन्ना ऋय केन्द्रों पर घटतौली आदि की शिकायतें प्राप्त न हो, जिसके लिए गन्ना निरीक्षक एवं सहायक चीनी आयुक्त, मुरादाबाद को लगातार निरीक्षण करने तथा इस प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त होने पर चीनी मिल प्रबंधन के विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने गन्ना ढुलाई में प्रयुक्त वाहनों में ओवरहाईट न किये जाने तथा इस सम्बन्ध में गन्ना कृषकों को भी चीनी मिलों के स्तर से वाहनों की ऊंचाई के अनुसार गन्ना ढुलाई करने हेतु प्रेरित किये जाने तथा प्रत्येक गन्ना ढुलाई वाहन में रिफ्लेक्टर युक्त लाल रंग का कपड़ा जो चारो कोनो से बंधा हो, वाहन के पिछले हिस्से में प्रत्येक दशा में लगाये जाने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि कोहरे के दौरान दूर से ही वाहन दिखाई दे। सर्दी के मौसम में बचाव हेतु कृषकों को मूलभूत सुविधा यथा अलाव, किसान विश्राम शेड तथा शौचालय की समुचित व्यवस्था करने तथा गन्ना वेरायटी से सम्बन्धित शिकायतों को तत्काल निस्तारित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने पेराई सत्र 2024-25 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में चीनी मिल बिलारी के महाप्रबंधक(गन्ना) को निर्देशित किया कि चीनी मिल प्रत्येक दशा में 01 सप्ताह के अन्दर पेराई सत्र 2024-25 का अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान अनिवार्य रूप से कृषकों को किया जाना सुनिश्चित करेगी तथा अन्य चीनी मिलों के उपस्थित प्रतिनिधियों को पेराई सत्र 2025-26 का गन्ना मूल्य भुगतान प्रारम्भ किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में जिला गन्ना अधिकारी श्री राम किशन, सहायक चीनी आयुक्त श्री सालोक पटेल, चीनी मिल अगवानपुर, बिलारी, बेलवाड़ा, रानीनांगल एवं वाह्य जनपदों की चीनी मिल असमौली, स्योहारा एवं मिलक नरायनपुर के महाप्रबंधक(गन्ना) उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) ने सभी सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को जारी किए निर्देश। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/निर्वाचक

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) के निर्देशानुसार ग्राम पंचायतों की कार्यक्रम 2025 की पूर्व निर्गत वृहद पुनरीक्षण का कार्य समय सारणी उपजिलाधिकारी/सहायक निर्वाचक निर्देशित किया है।

उन्होंने बताया कि ड्राफ्ट नामावलियों (निर्वाचक नामावलियों दिसम्बर 2025 तक की जाएगी, के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का के वार्डों की मैपिंग, मतदाता की 11 दिसम्बर से 22 दिसम्बर 2025 है, अनन्तिम मतदाता सूची के निरीक्षण की है, दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने (01 करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार 30 दिसम्बर 2025 तक, दावे एवं



रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचायत को की कम्प्यूटरीकृत पाण्डुलिपि तैयार कम्प्यूटरीकरण की कार्यवाही) दिनांक 10 निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूटरीकरण ऋमांकन, मतदाता ऋमाकंन, मतदेय स्थलों डाउनलोडिंग, फोटोप्रतियां कराने की तिथि आलेख्य प्रकाशन के रुप में प्रकाशित तिथि 24 दिसम्बर से 30 दिसम्बर 2025

जनवरी 2026 से 18 वर्ष की आयु पूर्ण

किए जाएंगे) की तिथि 24 दिसम्बर से

श्रीमती संगीता गौतम ने निर्वाचन आयोग

निर्वाचक नामावलियों के वृहद पुनरीक्षण

अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए

के अनुसार सम्पन्न कराए जाने हेतु समस्त

आपत्तियों के निस्तारण की तिथि 31 दिसम्बर 2025 से 06 जनवरी 2026 तक है, दावे/आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त हस्तिलिखित पाण्डुलिपियां तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय में जमा करने की अविध 07 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक है, दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरान्त पूरक सूचियों की कम्प्यूटरीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही की तिथि 13 जनवरी से 29 जनवरी 2026 तक है, पूरक सूचियों के कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र/स्थलों का क्रमांकन, मतदाता क्रमाकंन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने की तिथि 30 जनवरी से 05 फरवरी 2026 तक एवं निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन की तिथि 06 फरवरी 2026 निर्धारित है। उप श्रमायुक्त श्री दीप्तिमान भट्ट की अध्यक्षता में शासन द्वारा निर्गत भवन एवं अन्य सिन्नर्माण कर्मकार कल्याण (नियोजन एवं सेवाशर्त विनियमन) अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत निरीक्षण एवं अनुवर्ती कार्यवाही तथा भवन एवं अन्य सिन्नर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत उपकर निर्धारण एवं उपकर संग्रहण की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में निर्माण कार्यों से जुडे सेवायोजकों एवं ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों को भवन एवं अन्य सिन्नर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम, 1996 के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी तथा शासन द्वारा जारी एसओपी के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर श्री अजीत कमार कनौजिया सहायक श्रम आयक्त, समस्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी, राजेश जैन पाश्र्वनाथ डेवलपर्स लि., श्री राकेश कुमार शर्मा स्टेट वाईस प्रेसिडेन्ट, एनएफटीयू श्री विजयपाल सिंह, स्टेट प्रेसिडेन्ट, एआईयूटीयू, श्री अनिल शर्मा, प्रतिनिधि ओम डेवलपर्स

अमरोहा, श्री हिमान्शु अग्रवाल, मै. आकाश ग्रीन ग्रुप हाऊसिंग एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यूपी में 400 करोड़ की जीएसटी चोरी: मास्टरमाइंड सहित दो गिरफ्तार, 144 फर्जी फर्म की थी तैयार, ट्रक से खुला राज

मुरादाबाद की एसआईटी ने बेरोजगारों के दस्तावेज़ों पर 144 फर्जी फर्म बनाकर 400 करोड़ की जीएसटी चोरी करने वाले मास्टरमाइंड इखलाक और उसके सहयोगी इत्तेफात आलम को गिरफ्तार कर लिया है। इखलाक की डायरी से 535 फर्मों का रिकॉर्ड मिला। गिरोह के छह सदस्य और सरगना अभी फरार हैं।नौकरी और लोन दिलाने के नाम पर बेरोजगारों के दस्तावेजों के सहारे दो मोबाइल नंबर

पर देशभर में 144 फर्जी फर्म बनाकर करीब 400 मास्टर माइंड इखलाक और उसके सहयोगी इत्तेहात दोनों के कब्जे से एक मोबाइल फोन, आठ एटीएम बरामद किए गए हैं।वहीं आरोपी की डायरी में 535 बैंक खाते की जानकारी भी मिली है। इस मामले में की तलाश है। मुरादाबाद पुलिस लाइन में शनिवार को ने राज्य कर अधिकारियों के साथ करोड़ों की जीएसटी पकड़े जाने के बाद राज्य कर के अधिकारी की तहरीर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद एसएसपी की में पता चला कि फर्मों में पंजीकृत दो मोबाइल नंबरों जिले के शास्त्रीनगर नौचंदी निवासी मो. इखलाक इत्तेफात आलम उर्फ दानिश कबाड़ी को पूछताछ के खुलती चली गई। बाद में जीएसटी चोरी के आरोप में



करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले में एसआईटी ने आलम उर्फ दानिश कबाड़ी को गिरफ्तार कर लिया। कार्ड, एक पॉलिसी बाजार कार्ड और तीन आधार कार्ड फर्मों का विवरण मिला है। साथ ही मास्टर माइंड के एसआईटी को गिरोह के सरगना समेत छह अन्य सदस्यों एसपी ऋाइम सुभाष चंद्र गंगवार और सीओ वरुण सिंह का खुलासा किया।उन्होंने बताया कि लोहे लदे दो ट्रक पर एके इंटरप्राइजेज और सौरभ इंटरप्राइजेज के खिलाफ ओर से गठित एसआईटी ने जांच शुरू कर दी। छानबीन पर 144 फर्में पंजीकृत थीं। विवेचना के आधार पर मेरठ और शाहजहांपुर जिले के चमकनी गरिपुरा निवासी लिए एसआईटी ने बुलाया। इसके बाद परत दर परत एसआईटी ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में

इखलाक ने स्वीकार किया कि उसने अन्य छह लोगों के साथ मिलकर चार से पांच करोड़ की अवैध कमाई की है। गिरफ्तार इत्तेफात आलम इखलाक के सहयोगी के रूप में कार्य करता रहा है। इकलाख की डायरी में 535 फर्मों का विवरण पाया गया है। इस गिरोह का सरगना अभी तक एसआईटी के हाथ नहीं आया है। एसआईटी गिरोह में शामिल छह अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। जीएसटी चोरी के मामले में एसआईटी ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अभी गिरोह के अन्य लोगों की तलाश करने के लिए टीमें काम कर रहीं हैं। मास्टर माइंड इखलाक से मिली जानकारी के आधार पर जांच जारी है। – सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी क्राइम एवं एसआईटी प्रभारी यह था मामला– मुरादाबाद में राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने 24 और 25 अक्तूबर को चेकिंग के दौरान दो ट्रक पकड़े थे। इन ट्रकों से जीएसटी चोरी करके सरिया ले जाया जा रहा था। अफसरों ने जांच की तो पता चला कि दो मोबाइल नंबरों पर 144 फर्जी फर्में पंजीकृत कराई गई थीं। इन फर्मों पर 400 से अधिक की टैक्स चोरी की बात सामने आई। इस मामले में सिविल लाइंस थाने में 31 अक्तूबर को दो प्राथमिकी दर्ज कराई थी। यह एफआईआर राज्यकर विभाग के वरिष्ठ सहायक पिकू कुमार और वरिष्ठ सहायक प्रमोद कुमार की तहरीर पर दर्ज की गई थी। बाद में इन केसों की जांच के लिए एसएसपी सतपाल अंतिल ने एसपी ऋइम सुभाषचंद्र गंगवार के नेतृत्व में 11 सदस्य एसआईटी गठित की। दिल्ली के कॉल सेंटरों से लिया डाटा- एसआईटी के अनुसार फर्जी फर्मों के लिए गिरोह ने दिल्ली में चल रहे कॉल सेंटरों से डाटा हासिल किया था। यहां नौकरी और लोन देने के लिए सोशल मीडिया पर प्रचार किया गया। इसके बाद यहां बेरोजगारों के जमा किए दस्तावेजों से डाटा लिया और ओटीपी लेकर फर्जी फर्में खोल दी गईं। हर फर्म के बदले कॉल सेंटर को मिलते थे 30 हजार से डेढ़ लाख रुपये– दिल्ली का कॉल सेंटर इकलाख से प्रत्येक फर्म के बदले 30 हजार से डेढ़ लाख रुपये तक लेता था। कॉल सेंटर से प्राप्त फर्जी जीएसटी फर्मों का यूजर नेम और पासवर्ड व्हाट्सएप के माध्यम से सीए को उपलब्ध कराता था। इनका उपयोग कर सीए फर्जी ई–वे बिल आदि दस्तावेज तैयार करता था। इसी प्रक्रिया में प्रयुक्त मोबाइल नंबर एके एंटरप्राइजेज और सौरभ एंटरप्राइजेज दोनों में प्रयोग किया गया। अंकित और सौरभ दोनों बेरोजगार पाए गए एसपी ऋाइम ने बताया कि सिविल लाइंस थाने में मास्टर माइंड अंकित और उसके साथी सौरभ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में आया कि फर्म मालिक अंकित कुमार और सौरभ कुमार बेरोजगार हैं। नौकरी दिलाने और लोन दिलाने के नाम पर दोनों के दस्तावेजों पर फर्जी फर्में खोली गईं थीं।

संक्षिप्त समाचार

इश्क में पागल अधेड़ महिला ने प्रेमी संग को पति को मार डाला, इसलिए फंदे पर लटका दी लाश; कहती रही ये बात

संभल में प्रेम संबंध में बाधा बना पित तो महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे पर लटका दिया और सभी को आत्महत्या बताती रही। पोस्टमार्टम रिपोर्ट

पुष्टि हुई तो पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उत्तर प्रदेश के संभल जिले सनसनी खेज मामला सामने आया है। यहां एक अधेड



के साथ मिलकर पति को मार डाला। पति दोनों के प्रेम संबंध में बाधा बन रहा था। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, यहां से आरोपियों को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, बहजोई थाना इलाके के गांव पवांसा निवासी पूरन सिंह कठेरिया (54) की हत्या के मामले में मृतक की पत्नी विनोद देवी और गांव की ही राशन डीलर के पति श्याम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पूरन सिंह की गला दबाकर हत्या की थी। हत्या को आत्महत्या दर्शाने के लिए गले में रस्सी बांधकर छत के कुंडे से लटका दिया था। मृतक की पत्नी ने बताया कि उसका पति उसके प्रेम संबंधों में बाधा बना हुआ था। कोतवाली प्रभारी संत कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की शाम 6.30 बजे पवांसा निवासी पूरन सिंह कठेरिया का शव घर के कमरे में रस्सी के फंदे से लटका मिला था।मृतक के बेटे सुमित प्रताप सिंह उर्फ कन्हैया ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई थी। इसके बाद ही सुमित प्रताप सिंह की तहरीर पर उसकी मां और मां के प्रेमी के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई।शनिवार को अलग–अलग स्थान से आरोपी गिरफ्तार किए गए। पूछताछ में हत्या करना स्वीकार किया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पत्नी के गांव निवासी व्यक्ति से प्रेम संबंध थे। पति इसका विरोध करता था और आए दिन लड़ाई भी होती रहती थी। इसके चलते हत्या की साजिश की और घटना को अंजाम दे दिया। बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से जेल भेज दिया गया है।हत्या का राज न खुले, इसलिए नहीं कराना चाहती थी पोस्टमार्टम पूरन सिंह की मौत आत्महत्या बताकर पत्नी विलाप कर रही थी। बेटे सुमित की सूचना पर जब पुलिस पहुंची तो बेटे ने हत्या की आशंका जताई। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराने के लिए कहा बेटा तो इसके लिए तैयार हो गया लेकिन पूरन सिंह की पत्नी तैयार नहीं थी।उसने हाईवोल्टेज ड्रामा किया और रो बिलखकर वह पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रही थी लेकिन बेटा चाहता था कि उसके पिता के शव का पोस्टमार्टम होना चाहिए। जिससे मौत का कारण सामने आ सके। इसको देखते हुए पुलिस ने शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके बाद ही हत्या की साजिश का राजफाश हो गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991 knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद–मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक

हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

धर्म हेतु साका जिन कीया, सीस दिया पर सिर ना दिया

क्यूँ न लिखुँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। हिंदु धर्म रक्षक महान तपस्वी श्री गुरु तेग बहादुर साहब जिन्होंने 350 वर्ष पूर्व हिन्दू के प्रतीक तिलक और जनेऊ की रक्षा हेतु चांदनी चौक दिल्ली में अपने

प्राणों का बलिदान दिया, गुरु महाराज के साथ उनके प्रिय सिख भाई मती दास, भाई सती दास और भाई दयाला जी को भी अनेक प्रकार के कष्ट दिए गए और अंत मे शहीद कर दिया गया गुरु जी के शिष्यों ने इस्लाम कबूल करने से बेहतर अपने प्राणों की आहुति देना स्वीकार किया ,गुरु जी की आंखों के सामने उनके प्रिय



सिखों को बड़ी बेरहमी से कत्ल किया ,अंत मे गुरु साहब को कई प्रकार के प्रलोभन और धमिकया दी गयी लेकिन गुरु जी पर इनका कोई प्रभाव न देख कर उनका शीश धड़ से अलग कर दिया गया ,सारे संसार मे शोक की लहर छा गयी तेग बहादर के चलत भयो जगत को सोक ,है है सब जग भयो जै जै जै सुर लोक आज पूरे विश्व मे गुरु महाराज और उनके सिखों के महान बलिदान की 350 वां शहीदी दिवस बड़ी श्रद्धा और भावना के साथ मनाया जा रहा है ,बरेली में भी पिछले कई दिनों से इस महान शहादत को समर्पित कार्यक्रम लगातार चल रहे हैं जिनमे पंथ प्रसिद्ध रागी जत्थे एवं कथा वाचक गुरुवाणी के कीरतन और गुरु इतिहास प्रस्तुत कर रहे हैं गुरुद्वारा दु:ख निवारण संजय नगर में यह कार्यक्रम 25 नवम्बर तक यह कार्यक्रम चलेंगे ,गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर केअध्यक्ष एम पी सिंह और सचिव हरप्रीत सिंह बिंद्रा ने सभी संगतों से अपील की है कि इन दीवानों में अधिक से अधिक संख्या में हाजरी भरें और गुरु महाराज को श्रद्धा अर्पित करें सरदार एम पी सिंह ने बहुत भावुक हो कर कहा है कि हमे गुरु महाराज ने यह अवसर प्रदान किया है कि हमारे जीवन काल में 350 वां शहीदी वर्ष आया है ,400वां वर्ष हमारे आयु के व्यक्तियों को नसीब नहीं होगा इस लिए इस अवसर को व्यर्थ न जाने दें

बरेली तहसीलों के पांच बीएलओ को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली -भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के अन्तर्गत जिलाधिकारी बरेली के निर्देशानुसार तहसील- सदर



बरेली की विधानसभा -120 भोजीपुरा, 123 बिथरी चैनपुर, 124 बरेली व 125 बरेली कैन्ट के 05-05 सुपरवाईजर एवं 05-05 बीएलओ को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के द्वारा अपने गति को बनाये रखने के लिए सम्मानित किया गया, जिससे अन्य बीएलओ व सुपरवाईजर

प्रेरणा प्राप्त कर सके। विधानसभा 120 भोजीपुरा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उपजिलधिकारी सदर प्रमोद कुमार द्वारा सुपरवाईजर- विपिन पटेल, लाल सिंह, भुवनेन्द्र कुमार, छत्रपाल, सलीम अहमद व बी0एल0ओ0- सोमपाल, उमेश पाल सिंह, पवन कुमार, धर्मेन्द्र रफीक अहमद को सम्मानित किया गया। विधानसभा 123 बिथर चैनपुर के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/अपर नगर मजिस्ट्रेट, द्वितीय विजय सिंह द्वारा सुपरवाईजर- सिराज अहमद, अजीत कुमार, उर्मिलेश कुमार, शेर सिंह, मो0 असलम व बी0एल0ओ0 विजय सिंह, प्रमोद कुमार गंगवार, निष्ठा गुप्ता, डोरी लाल वर्मा, अंजली वर्मा को सम्मानित किया गया। विधानसभा 124 के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी /नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री द्वारा भूपेन्द्र गंगवार, अजय आनन्द, अशोक कुमार गंगवार, प्रदीप कुमार, प्रेमराज व बी०एल०ओ० मयंक शर्मा, प्रदीप कुमार, प्रमिता रानी, नीतू चौधरी, शहाना को सम्मानित किया गया। विधानसभा 125 बरेली कैन्ट के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ अपर नगर मजिस्ट्रेट, प्रथम गुलाब चन्द्र द्वारा सुपरवाईजर राजेश कुमार कंचन, सौरभ चौहान, संजीव सक्सेना, जितेन्द्र पाल सिंह, अभिषेक आर्य व बी0एल0ओ0 प्रत्यूश प्रसून उपाध्याय, अटल सक्सेना, नेहा सक्सेना, जितेन्द्र कुमार, प्रियंका उपाध्याय को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यालय में प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम में लगातार मेहनत कर रहे वी0आर0सी0 आपरेटरों के मनोबल को बढ़ाने के लिए उन्हें भी सम्मानित किया गया, जिसमें वी0आर0सी0 120 भोजीपुरा – ऋषि कुमार, आशीष दीक्षित, 123 बिथरी चैनपुर – शशांक शेखर, मेहराज आलम, 124 बरेली – रमेश कुमार, लकी सक्सेना, 125 बरेली कैन्ट – योगेन्द्र पाल सिंह आजाद, मनोज कुमार शामिल

हसनपुर में आज चौधरी टी आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में एक नेत्र चिकित्सालय का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा /उत्तर प्रदेश- जिला अमरोहा के कस्बा हसनपुर में आज

इनर व्हील क्लब हसनपुर के तत्वाधान में एक नेत्र परीक्षण शिविर लगाया गया यह शिविर मोहल्ला खेवान चौधरी टी आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया और वरदान नेत्र चिकित्सालय के द्वारा गाजियाबाद के अनुभवी चिकित्सको द्वारा 227 मरीज का नेत्र परीक्षण किया गया परीक्षण के



दौरान मरीज को दवा भी वितरण की गई जिसमें 48 केस मोतियाबिंद के पाए गए बाकी जिनकी ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच की गई जांच के उपरांत 31 केस ऐसे थे जिनकी सभी जांच सही थी उनको दो पारी में कल परसों कैंप स्थल से वाहन द्वारा गाजियाबाद अस्पताल भेजा गया जहां पर इनका मोतियाबिंद के द्वारा ऑपरेशन कराए जाएंगे और मरीज को आने-जाने तथा खाने का पूरा खर्चा भी मुफ्त मुफ्त होगा डॉक्टर द्वारा मरीज का पूरा ध्यान रखा गया है चौधरी टी आर मेमोरियल पब्लिक स्कूल मोहल्ला खेवान में शिविर में के दौरान विद्यालय प्रबंधन द्वारा बहुत सहयोग किया गया शिविर का उद्घाटन नगर पालिका परिषद हसनपुर के अध्यक्ष राजपाल सिंह सैनी द्वारा फीता काटकर किया गया इस सेवा में शिविर क्लब की और से क्लब अध्यक्ष आरती गुप्ता, सचिव सोनिया रस्तोगी, के अतिरिक्त आंचल अग्रवाल, सारिका गर्ग, शालिनी अग्रवाल, किरण मित्तल, शालिनी अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, प्रियंका गर्ग, रजनी अग्रवाल, प्रियांशी अग्रवाल, अपनी सिक्रय भूमिका का निर्वहन कर शिवर की सफलता में अपना विशेष योगदान दिया

शरीर दें तो संकेत कराएं पैलिएटिव केयर, कैंसर विशेषज्ञ की लें सलाह

क्यूँ न लिखुँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट

और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सहयोग से शनिवार की रात सीएमई आयोजित की गयी। सीएमई का विषय आशा सम्मान और चिकित्सा का विस्मृत पक्ष रहा। कार्यक्रम में शहर के अनेक चिकित्सकों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने कहा, शरीर संकेत दे तो पैलिएटिव केयर कराएं और कैंसर विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। कार्यक्रम में रोहिलखंडङ्क मेडिकल कॉलेज के कंसल्टेंट एवं



पैलिएटिव मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. मयूर घोघरी ने अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। कहा कि कैंसर रोगियों में तरह-तरह के शारीरिक लक्षण दिखाई देते हैं, जैसे कि दर्द, सांस फूलना, खून का रिसाव, पेशाब करने में तकलीफ, दस्त, पानी की कमी हो जाना, बेसुधी, थकान, भोजन निगलने में असमर्थता, नींद न आना, चिंता, डिप्रेशन इत्यादि। इसके साथ-साथ उनको मानसिक परेशानियां भी होने लगती हैं, इसलिए कैंसर से जूझ रहे मरीजों को बीमारी का पता लगने पर जितना जल्द हो सके पैलिएटिव केयर के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए।

बरातियों की बस पलटी, भोजीपुरा में ट्रॉली में घुसी पिकअप, दोनों हादसों में 13 लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बरेली के बहेड़ी क्षेत्र में नैनीताल हाईवे पर रविवार सुबह हादसा हो गया। शादी समारोह से लौट रहे बरातियों की बस अनियंत्रित होकर गांव गुडवारा

के पास पलट गई मौके पर चीख-पुकार आठ लोग घायल हुए ही पुलिस और 112 की पर पहुंची और घायलों लिए नजदीकी अस्पताल प्रत्यक्षदर्शियों अचानक बेकाबू होकर पलट गई थी। बस में और बुजुर्ग भी सवार थे।



पुलिस घटना की जांच कर रही है। हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है। इंस्पेक्टर पवन कुमार सिंह ने बताया कि किसी के गंभीर चोट नहीं लगी है। मामूली घायल हुए। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को दूसरी बस से रवाना कर दिया गया। भोजीपुरा ओवरब्रिज पर ट्रॉली से टकराई पिकअप, पांच घायल भोजीपुरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह घने कोहरे के कारण हादसा हुआ। भोजीपुरा ओवरब्रिज पर खड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली से सब्जी से भरी पिकअप पीछे से टकरा गई। हादसे में पिकअप चालक और चार व्यापारी घायल हो गए। तीन घायलों की हालत नाजुक बताई गई है। दो को उपचार के बाद घर भेज दिया गया। बताया गया कि कोहरे के कारण ट्रॉली दिखाई न देने से हादसा हुआ।

लखनऊ हाईवे पर लगा कई किलोमीटर लंबा जाम

क्यूँ न लिखुँ सच/ पं सत्यमशर्मा / फरीदपुर। मरम्मत कार्य के चलते हाईवे पर शनिवार रात भीषण जाम लग गया। देर रात तक पुलिस जाम खुलवाने पर जुटी रही। फरीदपुर में शनिवार को कंजा की जायरत के पास हाईवे पर एनएचएआई की टीम ने मरम्मत का कार्य शुरू किया। मरम्मत कार्य के चलते बरेली की ओर से आने वाले वाहनों को एक लेन से निकाला गया। इससे वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जाम में फंसे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मरम्मत कार्य बंद कराकर जाम को खलवाने की कोशिश की। एक लेन पर चल रहे वाहनों को डाइवर्ट करके दसरी लेन पर भेजने की कोशिश की गई, लेकिन वाहन आमने-सामने आकर फंस गए। देखते ही देखते वाहनों की 10 किलोमीटर लंबी कतार लग गई। देर रात पुलिस जाम खुलवाने का प्रयास करती रही, लेकिन ट्रैफिक रफ्तार नहीं भर सका।

थाना डिलारी पुलिस ने नाबालिक लडकी को बहलाकर फुसलाकर भगा ले जाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी - वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में चलाये जा रहे नाबालिक बालिको के साथ हो रहे अत्याचार के निवारण हेतु अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद मुरादाबाद के पयवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद की देखरेख में

दिनांक 23.11.2025 को थाना डिलारी पुलिस द्वारा मु०अ०स० 264/25 धारा 137 (2)/352/351(2) बीएनएस के अभियुक्त लोकेश पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम काफियाबाद थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार किया गया। जिसको



समुचित अभिरक्षा में मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। सक्षिप्त विवरण- दिनांक 18.11.2025 को आवेदक सत्यपाल सिंह पुत्र बाबू राम निवासी ग्राम सहसपुरी थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद ने उपस्थित थाना आकर एक किता तहरीर बाबत प्रतिवादी 1. लोकेश पुत्र ऋषिपाल नि0 ग्राम काफियाबाद थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद द्वारा वादी की पुत्री अंशिका उम्र करीब 14 वर्ष द्वारा बहलाफुसलाकर भगा ले जाने तथा वादी द्वारा प्रतिवादी लोकेश की शिकायत करने पर प्रतिवादी के पिता ऋषिपाल पुत्र नामालूम नि0 उपरोक्त द्वारा वादी व वादी के परिवार वालो को गन्दी गालिया देना व धमकी देने के सम्बन्ध में लाकर दाखिल की थी जिसके आधार पर थाना हाजा पर मु0अ0स0 264/25 धारा 137 (2)/352/351(2) बीएनएस बनाम लोकेश पुत्र ऋषिपाल 2. ऋषिपाल पुत्र नामालूम नि0गण ग्राम काफियाबाद थाना भोजपुर जनपद मुरादाबाद पंजीकृत किया गया था। जिसमे दिनांक 22.11.2025 को अपहर्ता कु0 अशिका उपरोक्त के बरामद किया गया तथा अपहर्ता कु0 अशिका के बायन अन्तर्गत धारा 180 बीएनएसएस व शैक्षिक प्रमाण पत्र के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 64(1) बीएनएस व 3/4 पोक्सो एक्ट की वृद्धि की गयी। जिसमें आज दिनांक 23.11.2025 को डिलारी पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त के अभियुक्त लोकेश पुत्र ऋषिपाल नि0 ग्राम काफियाबाद थाना भोजपुर मुरादाबाद उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार कर समुचित अभिरक्षा में मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

2 दिन से गरज रहा है बुलडोजर, कल 16 दुकानें; आज 3 मंजिला शोरूम ध्वस्त

क्यूँ न लिखुँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । शहर में पीलीभीत रोड पर दो दिन से बुलडोजर गरज रहा है। कल यानि शनिवार को 16 दुकानें गिराई गई थीं। रविवार को कपड़ों का तीन

मंजिला शोरूम ढहा दिया गया। बरेली विकास प्राधिक र ण (बीडीए) ने प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम के

गया।



साथ मोहम्मद आरिफ के कपड़ों के शोरूम पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। मोहम्मद आरिफ, 26 सितंबर को बरेली में हुए बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के करीबी बताए जाते हैं। बीडीए ने शनिवार को जगतपुर क्षेत्र में 16 अवैध दुकानों को ध्वस्त किया गया था। पीलीभीत रोड स्थित मोहम्मद आरिफ का कपड़ों का आलीशान तीन मंजिला शोरूम को बीडीए पूरी तरह तोड़ नहीं पाई तो रविवार से अभियान फिर से शुरू कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। बीडीए की टीम पुलिस-पीएसी के साथ प्राधिकरण के अधिकारी बुलडोजर पोकलेन मशीन लेकर शोरूम पर पहुंचे और उसके साइड दीवारों को तोड़ना शुरू कर दिया। प्राधिकरण कि कार्रवाई के दौरान पीलीभीत रोड पर देखने वालों की भीड़ जुड़ गई। प्राधिकरण की यह दूसरे दिन की कार्रवाई जा रही है। क्या बोले अधिकारी बीडीए उपाध्यक्ष डॉ.ए मणिकंडन ने बताया कि मोहम्मद आरिफ को पहले भी नोटिस दिए गए थे। इसके बाद भी उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। जिसके बाद प्राधिकरण नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है।

मृतवाल्लया का मदद क लिए दरगाह पर लगाया गया वफ्क हेल्प कैंप

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। हुक़ूमत द्वारा वफ़्क़ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन उम्मीद पोर्टल पर दर्ज़ करने की प्रकिया चल रही है। जिसकी आखिरी तारीख 05 दिसम्बर है। मस्जिदों, मदरसों ,दरगाहों, खानकाहों,कब्रिस्तानों व मकतब के बहुत से मुतवि्लयों ने जानकारी के अभाव में अब तक रजिस्ट्रेशन नहीं कराए है। इसकी मदद के लिए आज दरगाह आला हजरत परिसर में तहरीक ए तहफ्फुज सुन्नियत(टीटीएस) की ओर से दरगाह आला हज्रत के सज्जादानशीन बदरूशरिया मुफ्ती अहसन मियां की सदारत (अध्यक्षता) में वक्फ हेल्प कैंप लगाया गया।

वफ्क बोर्ड को ऑर्डिनेटर बरेली हाजी फैज् मंसूरी व आलेनबी ने बताया कि कैंप में बहुत से ऐसे जिनके



संपत्तियों के कागज नहीं थे। उनको मशवरा दिया गया कि वो अपने कागज़ तलाशे। दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि कैंप में हेड़ी,आंवला,मीरगंज,नवाबगंज समेत शहर भर से लगभग 200 मुतावल्ली पहुंचे। प्रदेश के अन्य जिले कानपुर,शाहजहांपुर,मुरादाबाद,पीलीभीत, आगरा, झांसी आदि से फोन कॉल आई। जिन्हें वफ्फ संबंधित जानकारी दी गई। वहीं जो लोग अपने कागज़ साथ लाए थे उनके तुरंत अदनान हुसैन और इशरत नूरी ने उम्मीद पोर्टल पर संपत्ति दर्ज़ कराई। जो लोग रह गए है उन्हें सलाह दी गई कि वो लोग दरगाह द्वारा दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर राब्ता (सम्पर्क) कर सकते है। वहीं 24 नवम्बर दिन पीर(सोमवार) को अगला कैंप काकर टोला स्थित छ: मीनारा मस्जिद में शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक लगाया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें 9897070701 इसके अलावा सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने सभी से अपील करते हुए कहा उम्मीद पोर्टल के अलावा देश के कई सूबे में एसआईआर की भी प्रकिया चल रही है। बीएललो घर घर जाकर फॉर्म उपलब्ध करा रहे है। लोग जल्द से जल्द फॉर्म भर कर जमा करे। नूरी,मुजाहिद रजा़,परवेज़ नूरी,सय्यद माजिद,अदनान हुसैन,औरंगजे़ब नूरी, काशिफ सुब्हानी, अजमल नूरी, इशरत नूरी आदि मौजूद रहे।

हसनपुर में स्क्रुक्रके प्रथम चरण की रफ्तार धीमी, सामाजिक कार्यकर्ता व भावी चेयरमैन प्रत्याशी समीर खान ने संभाला मोर्चा हेल्प डेस्क बनाकर लोगों को दी राहत

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक /अमरोहा जनपद / हसनपुर नगर नगर पालिका परिषद हसनपुर में

चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे SIR स्पेशल समरी रिवीजन अभियान का पहला चरण बीएलओ की सुस्ती के कारण धीमी गति से चल रहा है। गणना प्रपत्र भरवाने के लिए लोग दिनभर भटकते दिखाई दे रहे हैं। मतदाताओं की इसी परेशानी को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता एवं



भावी चेयरमैन प्रत्याशी समीर खान मोहल्ला चमन ने आगे आकर सि हेल्प डेस्क का गठन किया है, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली है। चुनाव आयोग के आदेशानुसार इस समय स्ट्रुक्त प्रक्रिया के प्रथम चरण में बीएलओ को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरने का कार्य करना था। लेकिन हसनपुर नगर पालिका परिषद में मोहल्ला चमन में बीएलओ सिर्फ प्रपत्र बांटकर आगे बढ़ गए और प्रपत्र भरने की जिम्मेदारी सीधे मतदाताओं पर छोड़ दी। समस्या यह है कि लोगों के पास 2003 की मतदाता सूची उपलब्ध नहीं है, जो प्रपत्र भरने में अनिवार्य है। जिनके पास सूची है भी, वे तकनीकी जानकारी के अभाव में प्रपत्र सही तरीके से भर नहीं पा रहे हैं। इसी अव्यवस्था के बीच सामाजिक कार्यकर्ता भावी चेयरमैन प्रत्याशी समीर खान ने SIR हेल्प डेस्क शुरू कर दी, जहाँ बैठकर वह निस्शुल्क गणना प्रपत्र भरवाने का काम कर रहे हैं। उनके साथ शाकिर मसूदी और शहाबुद्दीन सैफी भी सिक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। लोगों का कहना है कि हेल्प डेस्क की वजह से उन्हें अब प्रपत्र भरने में कोई दिक्कत नहीं आ रही। उधर, नगर के बीएलओ का कार्य संतोषजनक बताया जा रहा है, जबिक अन्य बीएलओ के रवैये से मतदाताओं में नाराजगी है। लोगों ने मांग की है कि चुनाव आयोग के निर्देशों के मुताबिक सभी बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरें, तािक न तो भ्रम पैदा हो और न ही कार्य में देरी हो। यह पूरी प्रक्रिया साफ-सुथरे चुनाव की नींव है, इसिलए इसकी गित और पारदर्शिता बेहद जरूरी मानी जा रही है।

कस्बा हसनपुर में वर्षों से बिना मानक बिना रिजस्ट्रेशन के बाला जी पैथोलॉजी लैब अधिकारियों की आंखों में धूल झोंक कर खुलेआम चल रही है

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / जिला अमरोहा/ उत्तर प्रदेश तहसील हसनपुर के क्षेत्र में देखा

जाए तो पैथोलॉजी लैब खुलेआम धड़छ्ले से चल रही हैं पर आपको बताते चलें कि कस्बा हसनपुर के ग्रीन सिटी में एक लैब जिसका नाम बालाजी लैब के नाम से मैसूर है और काफी वर्षों से बिना मानक बिना रजिस्ट्रेशन के शहर में चल रही है सूत्रों के मुताबिक पता चला है कि बाला जी पैथोलॉजी लैब को इतना घमंड हो गया कि



नोडल अधिकारी व सीएमओ अधिकारी के आदेशों का भी खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है जैसे कि संज्ञान में आया है फर्जी पैथोलॉजी लेब बैसे तो बालाजी के नाम से मैसूर है किंतु बिना मानक बिना बोर्ड के ही पर्दे से पर्दा डालकर फर्जी बालाजी पैथोलॉजी लेब डॉक्टर से बड़ी साठ गाठ कर खुले आम मरीजों के प्लेटलेट्स, टी, एल, सी, डब्लू बी सी,की जांच डॉक्टरों की सलाह से की जा रही है जिससे पता चला है कि डॉक्टरों की मिली भगत से मरीजों की जान से व माल से खिलवाड़ किया जा रहा है सूत्रों की माने तो एक गरीब मिला बेबस होकर बच्चों वाले डॉक्टर के पास गई और अपने बच्चों का इलाज कराना शुरू किया तो बच्चों वाले डॉक्टरों ने जांच करने के लिए कहा गरीब परेशान महिला ने जांच के लिए कह दिया गरीब महिला से जांच करने के लिए ?450 लिए गए इस गरीब महिला ने अपने बच्चों की जांच के लिए अपने तन मन को काटकर अपने बच्चों का इलाज कराया जबिक इस महिला से?400 देने के बाद?50 बाकी रह गए थे उसके बावजूद भी जब महिला दोबारा अपने बच्चों का इलाज कराने डॉक्टर साहब के पास पहुंची तो लिखे हुए ?50 बाकी उसे महिला से मांगे गए महिला ने?50 दिए उसके बावजूद भी खेल बराबर चलता रहा यह हाल इसी पैथोलॉजी लेब का नहीं बाकी लोगों का भी इसी तरह से साठ गांठ है और खुलेआम मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है अब देखना यह है कि क्या नोडल अधिकारी संज्ञान लेते हैं या खुलेआम बालाजी पैथोलॉजी लेब शहर में धड़ल्ले से चलती रहेगी

पाकिस्तान से आई चिट्ठी: मां, जेल से रिहाई नहीं हुई तो खुदकुशी कर लूंगा..., बेटे ने कागज पर उतारा दिल का दर्द

जसईपुर का जितेंद्र तीन साल से पाकिस्तान की जेल में बंद है। उसने अपनी मां को व्हाट्सएप संदेश भेजा। संदेश पढ़कर मां की हालत बिगड़ गई।तीन साल से पाकिस्तान की जेल में बंद जसईपुर गांव

के मछुवारे का व्हाट्सएप संदेश उसकी संदेश में एक पत्र मिला है, जिसमें हुई तो वह खुदकुशी कर लेगा। दवा के चलते मां बिलख पड़ी, उसकी है।तिंदवारी थाना क्षेत्र के जसईपुर जितेंद्र वर्मा (22) जुलाई 2022 को था। इस दौरान वह पाकिस्तान की गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया उसके मोबाइल नंबर के व्हाट्सएप है कि अगर उसकी रिहाई नहीं हो ही वह जिंदा है। अनहोनी की आशंका हो गई। पिता संजय वर्मा व क्षेत्र वह बेहद गरीब हैं। पिता के मुताबिक बार बेटे ने कहा कि पाकिस्तान जेल कई-कई दिनों तक खाना नहीं दिया से बेटे की रिहाई कराने की गुहार में बंद धौसड़ के मछुवारों के बरी धौसड़ गांव निवासी पाकिस्तान की



मां को मिला तो मां की हालत बिगड़ गई। उसने लिखा है कि अगर उसकी रिहाई नहीं खाकर ही वह जिंदा है। अनहोनी की आशंका हालत बिगड़ गई, उसने खाट पकड़ ली गांव निवासी रानी ने बताया कि उसका पुत्र पोरबंदर बंदरगाह में मछली पकड़ने गया सीमा में चला गया। पाकिस्तानी सेना ने उसे है। मां रानी का कहना है कि 21 नवंबर को पर एक खत मिला है। जिसमें बेटे ने लिखा पाई तो वह खुदकुशी कर लेगा। दवा खाकर से मां बिलख रही है। उसकी तबियत खराब पंचायत सदस्य रज्जन सिंह ने बताया कि पहले जब फोन पर बात होती थी तो कई के अधिकारी उसके साथ मारपीट करते हैं। जाता है। परिजनों ने केंद्र और प्रदेश सरकार लगाई है। पांच साल से पाकिस्तान की जेल होने की मिली जानकारी विकासखंड के ही जेल में पांच साल से बंद मछुवारे चांद बाबू

और लक्ष्मण के परिजनों ने बताया कि दोनों को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बरी किया है। पाकिस्तान सरकार रिहाई के लिए तैयार है, लेकिन भारत की तरफ से कोई जवाब नहीं मिल रहा है। परिजन भारत सरकार और राहुल गांधी से मदद की गुहार लगा रहे हैं। ताकि उनके बेटे जल्द घर लौट सकें। परिजनों ने बताया कि मछुवारे चांद बाबू (26) और लक्ष्मण बीते पांच वर्षों से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। उनका भावुक खत जैसे ही उनके गांव धौंसड़ (थाना तिंदवारी) में परिवार को मिला, घर में खुशी की लहर दौड़ गई। आंखों में आंसू, दिल में उम्मीद और होठों पर एक ही फरियाद ‰हमारे बेटे को वापस ला दोक्ष जानकारी के मुताबिक, पत्र में लिखा है कि पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 2023 में ही बरी कर दिया था और पाकिस्तानी अधिकारी भी उन्हें रिहा करने को तैयार हैं, लेकिन भारत सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं आ रहा है। यह खत गुजरात के रहने वाले पाकिस्तानी जेल से छूटे दो भारतीय युवकों ने उनके परिवार तक पहुंचाया। इसमें चांद बाबू और लक्ष्मण ने सीधे राहुल गांधी से अपील की है कि सरकार के माध्यम से उन्हें घर वापस लाने की पहल की जाएक परिजनों का कहना है कि उन्होंने जिलाधिकारी से लेकर मंत्रालय तक हर जगह गुहार लगाई, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकला। प्रधान रामप्रकाश ने बताया कि पंचायत स्तर से भी पत्र भेजे गए हैं। अगर सरकार प्रयास करे, तो दोनों को सुरक्षित घर लाया जा सकता है। दरअसल, घटना पांच साल पहले की है, जब दोनों युवक गुजरात में मछली पकड़ने गए थे। तेज हवाओं में बहती नाव पाकिस्तान सीमा में पहुंच गई और पाकिस्तानी सेना ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद से दोनों कराची की जेल में हैं। अब जब यह पत्र आया है, परिवार खुश तो है लेकिन सबसे बड़ी चिंता यह है कि अगर अब भी सरकार ने कदम नहीं उठाया तो कहीं देर न हो जाए। उनके लिए यह सिर्फ एक कानूनी मामला नहीं, अपने बच्चों के जीवन का सवाल है।

दिल्ली शर्मसार: 1600 KM दूर से शादी में आई किशोरी से दुष्कर्म, दिरंदे ने बाथरुम में बनाया हवस का शिकार

पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि समारोह के दौरान देर रात वह वॉशरूम जा रही थी, तभी आरोपी पीछे से वॉशरूम में घुस गया। आरोपी ने जबरदस्ती उसका शारीरिक शोषण किया।

इसी बीच समारोह में मौजूद कुछ महिला वॉशरूम पहुंची के हरदोई से द्वारका नार्थ इलाके में रिश्तेदार की शादी किशोरी के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने वाले युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट के तहत भागे आरोपी की तलाश कर रही है।जिला पुलिस उपायुक्त द्वारका नार्थ थाना पुलिस को सेक्टर 12 द्वारका स्थित की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन यूपी के हरदोई की रहने वाली है। वह नौवीं कक्षा की वह अपने परिजनों के साथ हरदोई से दिल्ली में रहने वाले होने आई थी। उसके तमाम रिश्तेदार उसी बस में सवार में बताया कि समारोह के दौरान देर रात वह वॉशरूम जा



और दोनों को देखकर शोर मचा दिया। उत्तर प्रदेश समारोह में शामिल होने आई 15 साल की एक आया है। पीड़िता ने हरदोई में उसके पड़ोस में रहने आरोपी युवक उसका रिश्तेदार भी है। पीड़िता की मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के बाद से अंकित सिंह ने बताया कि रिववार तड़के 3.12 बजे कम्युनिटी सेंटर में किशोरी के साथ दुष्कर्म किए जाने शुरू की। जांच में पता चला कि 15 साल के किशोरी छात्रा है। उसके पिता मजदूरी करते हैं। शनिवार को अपने एक रिश्तेदार की शादी समारोह में शामिल होकर दिल्ली आए थे।पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत रही थी, तभी आरोपी पीछे से वॉशरूम में घुस गया।

आरोपी ने जबरदस्ती उसका शारीरिक शोषण किया। इसी बीच समारोह में मौजूद कुछ महिला वॉशरूम पहुंची और दोनों को देखकर शोर मचा दिया। आरोपी वहां से भाग गया। पुलिस ने तुरंत पीड़िता का मेडिकल करवाया और उसका बयान दर्ज कर मामला दर्ज कर लिया। छानबीन में पता चला कि आरोपी हरदोई में पीड़िता के पड़ोस में रहता है और दूर का रिश्तेदार भी है। वह हरदोई में पानी का सप्लाई करता है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम हरदोई के लिए रवाना कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

www.knlslive.com

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने की प्रक्रिया जारी है जिसके तहत जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने कई बूथों का औचक निरीक्षण कर चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने तहसील भिनगा के वार्ड संख्या-08 अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय बनकटवा एवं प्राथमिक विद्यालय बगुरैया में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने सम्बन्धित बी0एल0ओ0 से भरे गये फार्म आदि की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाए ताकि कोई भी व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य एक शुद्ध पारदर्शी और सटीक निर्वाचक नामावली तैयार करना है। इसके तहत नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़े जा रहे हैं तथा मृत डुप्लीकेट शिफ्टेड या अनुपस्थित मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं।

अफसरशाही की बेरुख़ी जनता दर-दर भटके, फरियादें अनसुनी कब जागेगी सरकार?

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा/ उत्तर प्रदेश -जिला अमरोहा में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि इंसाफ के लिए

जनता को थाने से लेकर तहसील और फिर एसपी ऑफिस तक चक्कर काटने पड़ रहे हैं। प्रदेश



करती है कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था चुस्त है और सभी विभाग जनता की फरियाद सुनते हैं लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आती है।हसनपुर तहसील, ब्लॉक, नगर पंचायत, नगरपालिका, राजस्व विभाग,सरकारी अस्पताल, खाद-राशन विभाग किसी भी दफ्तर में चले जाइए, सुबह से शाम तक अपनी पीड़ा लिए खड़े फरियादी ही दिखाई देंगे। अजीब बात यह है कि थाना, कोतवाली, चौकी और तहसील में एसडीएम-तहसीलदार की मौजूदगी के बावजूद भी लोग अमरोहा डीएम और एसपी ऑफिस में लाइन लगाए खडे रहते हैं। सवाल यह है कि जब थाने हैं तो जनता एसपी ऑफिस क्यों भागती है? क्योंकि स्थानीय स्तर पर उनकी आवाज सुनी ही नहीं जाती। कई लोगों का आरोप है कि बिना रिश्वत के अधिकारी कोई फरियाद सुनने को तैयार नहीं होते। वोट भी जनता देती है, टैक्स भी जनता भरती है, लेकिन जब अपनी तकलीफ़ लेकर जनता अफसरों और नेताओं के पास जाती है तो वहां से सिर्फ टाल-मटोल और उपेक्षा मिलती है। सरकारी तंत्र की सुस्ती ऐसी है कि थाने से लेकर मुंसफी तक फाइलें धूल खाती रहती हैं, और फरियादी अपनी समस्या लेकर दर–दर भटकता है। लोगों का कहना है कि सरकार कहती है सब ठीक है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बिना पैसे के कहीं कोई सुनवाई नहीं होती। अब बड़ा सवाल ये है कि क्या उत्तर प्रदेश सरकार भ्रष्ट और लापरवाह विभागों पर शिकंजा कसेगी? आखिर कब इन अफसरों पर सख्त कार्यवाही होगी ताकि जनता को न्याय मिल

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

knlslive@gmail.com

देश के परिधान में रंगा स्टेडियम, संस्कृति और सभ्यता के साथ स्काउट-गाइड ने किया अनुशासन का प्रदर्शन

OWNSTATE

राजधानी लखनऊ में 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस दौरान रविवार को स्काउट-गाइड ने अपनी स्थानीय संस्कृति, सभ्यता के साथ अनुशासन को प्रदर्शित किया।लखनऊ के वृंदावन

स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में रविवार से राष्ट्रीय जंबूरी का नजारा देखने लायक था। अटल स्टेडियम देश के परिधान में रंगा नजर में शामिल स्काउट्स गाइड्स ने अपनी स्थानीय अनुशासन को प्रदर्शित किया।अटल स्टेडियम रिहर्सल की प्रकिया शुरू हुई। देश के सभी एक कतार में नजर आए। नजारा ऐसा था कि से जुड़ी हुई हो। स्टेडियम के बीच में युवाओं गाइड्स का रिहर्सल घंटों जारी रहा।यहां अलग नृत्य, हस्तशिल्प और परंपराओं का एक जीवंत संस्कृति में शामिल पारंपरिक पोशाक, युवतियों के लिए धोती-अंगरक्षक बेहद खास रहा। इसके जैसे शास्त्रीय नृत्य और लोक संगीत पर इसी तरह हरियाणा की संस्कृति लोककथाओं जीवंत तस्वीर नजर आई। तेलंगाना की पारंपरिक



शुरू हुई सात दिवसीय 19वीं यहां करीब 100 एकड़ में बना आया। करीब 25000 की संख्या संस्कृति, सभ्यता के साथ में सुबह 11 बजे से नेशनल राज्यों से पहुंचे स्काउट्स गाइड्स मानों सभी की संस्कृति एक दूसरे का प्रदर्शन और किनारे स्काउट्स अलग राज्यों की संस्कृति संगीत, मिश्रण देखा गया। राजस्थानी के लिए घाघरा-चोली और युवकों अलावा, घूमर और कालबेलिया कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। और पारंपरिक मूल्यों की भी एक परिधान में पंचा (धोती) और

कुर्ता में कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। युवितयों ने पारंपरिक रूप से रेशम की साड़ियां और अन्य पारंपरिक वस्त्र पहने थे। उनकी पोचमपल्ली और गडवाल की साड़ियां बेहद खास रही। छत्तीसगढ़ की वेशभूषा और आभूषण में युवक पारंपरिक रूप से धोती-कुर्ता और पागा (पगड़ी) पहनकर नृत्य करते नजर आए। जबिक, महिलाओं ने साड़ी और ब्लाउज (लुगरा-पोलगा) पहनकर अपनी स्थानीय संस्कृति को प्रदर्शित किया। अन्य राज्यों के कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों से तालियां बटोरीं।

25 नवंबर से शुरू होगी सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप, तैयारी पूरी, दो करोड़ 15 लाख होगी इनामी राशि

लखनऊ में 25 से 30 नवंबर तक सैयद मोदी बैडिमंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। रिववार को उत्तर प्रदेश बैडिमंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. नवनीत सहगल ने चैंपियनिशप के बारे में जानकारी दी। विश्व में 28वीं वरीयता प्राप्त भारत की उन्नति हुड्डा को सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडिमंटन चैंपियनशिप के महिला एकल में शीर्ष वरीयता दी गई

है। इसके अलावा महिला युगल में गत विजेता के रूप में अपना खिताब बचाने उतरेंगी। शहर चलने वाली प्रतियोगिता की सभी तैयारियां (दो करोड़ 15 लाख रुपये) की कुल इनामी के 250 खिलाड़ी जोर आजमाइश करेंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. नवनीत सहगल मैच होंगे और उसी दिन मुख्य ड्रॉ के कुछ जाएगा। चैंपियनशिप के पुरुष एकल, महिला का मुख्य ड्रॉ 32-32 खिलाड़ियों अथवा दी जाएगी, जबिक जिसमें चार खिलाड़ी चैपियनशिप में दर्शकों को निशुल्क इंट्री मिलेगी। सजीव प्रसारण होगा। इस आयोजन में भारत में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को यूपी विनय खंड मिनी स्टेडियम में अभ्यास की



त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद भी शीर्ष वरीय जोड़ी की यूपी बैडमिंटन अकादमी में 25 से 30 नवंबर तक पूरी कर ली गई हैं। दो लाख 40 हजार अमेरिकी डॉलर राशि वाली प्रतियोगिता में मेजबान भारत समेत 20 देशों रविवार को पत्रकारों से बातचीत में उत्तर प्रदेश बैडिमंटन ने बताया कि चैंपियनशिप में 25 नवंबर को क्वालीफाइंग मैच खेले जाएंगे, जबिक फाइनल 30 नवंबर को खेला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल जोड़ियों का होगा। इसमें 28 को सीधे मुख्य ड्रॉ में एंट्री क्वालीफायर से मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि वहीं सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबलों का दूरदर्शन पर के सबसे ज्यादा 152 खिलाड़ी भाग लेंगे। चैंपियनशिप बैडमिंटन अकादमी सहित गोमतीनगर विजयंत खंड व सुविधा दी गई है। उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के

चेयरमैन विराज सागर दास ने अपने प्रेषित संदेश में कहा कि लखनऊ में सैयद मोदी चैंपियनशिप सिर्फ खेल नहीं, हमारी संस्कृति, हमारे खिलाड़ियों और हमारी मेजबानी की पहचान बन चुकी है। इस साल मुकाबले असाधारण होंगे और दर्शक हर दिन कुछ नया और रोमांचक देखेंगे। वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के महासचिव डॉ. सुधर्मा सिंह समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मुख्य ड्रॉ में यूपी की चुनौती चैंपियनशिप में यूपी की श्रुति मिश्रा व महिला युगल व मिश्रित युगल में चुनौती पेश करेंगी। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में यूपी की श्रुति मिश्रा, समृद्धि सिंह, सोनाली सिंह व तनीषा सिंह को जगह मिली है। श्रुति मिश्रा कर्नाटक की प्रिया के साथ समृद्धि सिंह अपनी पार्टनर रीवा के साथ के मुकाबलों में उतरेंगी, जबिक सोनाली सिंह व दीपशिखा सिंह और तनीषा सिंह व साक्षी गहलावत अपनी चुनौती पेश करेंगी। मिश्रित युगल में यूपी के आयुष अग्रवाल व श्रुति मिश्रा की जोड़ी दम दिखाएंगी।खिलाड़ियों की वरीयता सूची पुरुष एकल 1. जिया हेंग जेसन तेह –सिंगापुर 2. आयुष शेट्टी – भारत 3. एचएस प्रणय – भारत 4. किरन जार्ज – भारत 5. किदांबी श्रीकांत – भारत महिला एकल 1. उन्नति हुड्डा – भारत 2. नोजो़मी ओकुहारा – जापान 3. सुंग शुओ युन – चीनी ताइपे 4. नेस्लिहान अरीन – तुर्किये . हीना अकेची – जापान पुरुष युगल 1. चूंग हॉन जियन व हैकाल मुहम्मद – मलेशियाई 2. साई प्रतीक के व पृथ्वी कृष्णामूर्ति राय – भारत 3. ल्वी शेंग हाओ व चिया वेइजिए - मलेशिया 4. ह्वांग जुई-शुआन व झी-वेई हे - चीनी ताइपे 5. एम.आर अर्जुन व हरिहरन अम्साकरुनन - भारत मिश्रित युगल 1. ही योंग कै टेरी व जिन यू जिया - सिंगापुर 2. रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे - भारत 3. वोंग तियेन सी व लिम चिउ सिएन - मलेशिया 4. मरवान फाजा व ऐस्युह सलसबीला पुत्रि प्रनाता - इंडोनेशिया 5. सतीश कुमार करुणाकरन व आद्या विरयथ – भारत महिला युगल 1. त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी. – भारत 2. सुंग यू-शुआन और सू या-चिंग – चीनी ताइपे 3. सुंग शुओ-युन और यू चिएन-हुई – चीनी ताइपे 4. पोलिना बुह्रोवा और येव्हेनिया कांतिमर – यूऋेन 5. डी सिति फादिया सिल्वा रामाधंती और अप्रियानी राहायु – इंडोनेशिया लखनऊ बैडिमंटन एसोसिएशन के सिचव अनिल ध्यानी को दी गई श्रद्धांजिल आज प्रेस वार्ता से पूर्व उत्तर प्रदेश बैडिमंटन एसोसिएशन के कार्यकारिणी सदस्य व लखनऊ बैडिमंटन एसोसिएशन के सचिव अनिल ध्यानी के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजिल अर्पित की गई और ईश्वर से परिजनों को इस असीम दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की गई।

शिवपुरी जिले में 4 दिसम्बर से नि:शुल्क सहायक उपकरण शिविर

क्यूँ न लिखुँ सच/ ब्यूरो/ शिवपुरी, दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए राहत भरी खबर-भारत सरकार की एडिप व वयोश्री योजनान्तर्गत शिवपुरी जिले में नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण हेतु

परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर एलिम्को जबलपुर द्वारा कलेक्टर श्री रवीन?द्र कुमार चौधरी के निर्देशन में 4 दिसम्बर से 12 दिसम्बर 2025 तक जिले की सभी जनपद पंचायतों में आयोजित किए जाएंगे। परीक्षण स्थल संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय रहेगा। कलेक्टर श्री चौधरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया



है कि ग्राम पंचायत व वार्ड स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर सभी पात्र दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक पात्रजन इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। शिविर कार्यक्रम – तिथियां व स्थान 4 दिसम्बर – जनपद पंचायत पिछोर (निकायः न.पा. पिछोर) 5 दिसम्बर - जनपद पंचायत करैरा (निकायः न.पा. करैरा) 6 दिसम्बर -जनपद पंचायत बदरवास (निकायः न.पं. बदरवास एवं न.पं. रन्नौद) 8 दिसम्बर - जनपद पंचायत पोहरी (निकायः न.पं. पोहरी एवं न.पं. बैराढ) ९ दिसम्बर - जनपद पंचायत खनियांधाना (निकायः न.पं. खनियाधाना) 10 दिसम्बर - जनपद पंचायत नरवर (निकायः न.पं. नरवर एवं न.पं. मगरौनी) 11 दिसम्बर - जनपद पंचायत कोलारस (निकायः न.पं. कोलारस) 12 दिसम्बर जनपद पंचायत शिवपुरी (निकायः नगर पालिका परिषद शिवपुरी) गौरतलब है कि शिविरों में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को नि:शुल्क जीवन सहायक उपकरण, कैलीपर्स, व्हीलचेयर, ट्रायसायकल एवं कृत्रिम अंग आदि उपलब्ध कराए जाएंगे।

${f UP}$ में परिषदीय स्कूलों के 20 हजार बच्चे बनेंगे ${f AI}$ व कोडिंग के मास्टर, दिमाग से नचाएंगे साइबर अपराधी

यूपी में बेसिक शिक्षा विभाग ने एक और अच्छी पहल की है। परिषदीय स्कूलों के 20 हजार बच्चों

को एआई विशेषज्ञ बनेंगे। आईआईटी कानपुर के सहयोग से शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू हो चुका है।उत्तर प्रदेश में परिषदीय स्कूलों के 20 हजार बच्चों को एआई विशेषज्ञ बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। कक्षा छह से आठ तक के बच्चों को बेसिक शिक्षा विभाग एआई, कोडिंग और डिजिटलाइजेशन से जुड़ी शिक्षा दिलाएगा। विभाग इसके लिए शिक्षकों को आईआईटी कानपुर से विशेष प्रशिक्षण दिला रहा है। बाद में यही प्रशिक्षित शिक्षक बच्चों को इन आधुनिक क्षेत्रों में पारंगत बनाएंगे। दरअसल, कक्षा छह से आठ के बच्चों के पाठ्यऋण में एआई, कोडिंग व साइबर सिक्योरिटी को हाल ही में शामिल किया गया है। अब इसके व्यावहारिक प्रशिक्षण की प्रक्रिया तेज की गई है। इसके तहत हर जिले से 10 समेत पूरे प्रदेश से 750 चुने हुए शिक्षकों को विषय विशेषज्ञ के रूप में आईआईटी कानपुर में प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। पहले चरण में 150 शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू भी हो गया है। हाइब्रिड मोड में भी बच्चों को प्रशिक्षित किया जाएगा प्रशिक्षण के बाद ये शिक्षक हर जिले में 250-300 बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे। विभाग की यह भी योजना है कि आईआईटी कानपुर ले जाकर और वहां के विशेषज्ञों को यहां बुलाकर भी प्रशिक्षण दिलाया जाए। साथ ही हाइब्रिड मोड में भी बच्चों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को न सिर्फ तकनीक का प्रयोग सिखाया जाएगा, बल्कि उन्हें मौजूदा जरूरत के अनुसार तैयार भी किया जाएगा। इससे वह साइबर फ्रॉड के खतरों से ख़ुद व अपने परिवार को बचाने में सक्षम होंगे। एससीईआरटी निदेशक डॉ. गणेश कुमार ने कहा कि यह पहल न सिर्फ शिक्षा सुधार का उदाहरण बनेगी, बल्कि दुनिया में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर बच्चों को एआई केंद्रित प्रशिक्षण देकर विश्व रिकॉर्ड का दावा भी मजबूत करेगी।इन क्षेत्रों की दी जाएगी जानकारी विभाग कक्षा 6 से 8 तक के 20 हजार मेधावी बच्चों को कंप्यूटर व ऑपरेटिंग सिस्टम, वर्ड प्रोसेसिंग, डिजिटल क्रिएटिविटी, ऑनलाइन रिसर्च, कंप्यूटेशनल थिंकिंग व एल्गोरिदम, पाइथन प्रोग्रामिंग बेसिक्स, एडटेक, साइबर सुरक्षा, एआई वॉइस मॉड्यूलेशन, ग्रेड एनालाइजर, एनीमेशन एक्टिवटी, गूगल शीट्स ऑनलाइन डाटा हैंडलिंग की ट्रेनिंग देकर दुनिया की सबसे बड़ी एआई आर्मी तैयार करेगा विद्यालयों में बढ़ेंगी लैब और वर्कशॉप योजना के तहत जिलों में बच्चों के लिए विशेष एआई कक्षाएं, मिनी टेक्नोलॉजी लैब, उन्नत डिजिटल लर्निंग टूल और मशीन लर्निंग वर्कशॉप स्थापित की जा रही हैं। सरकारी स्कूलों में बड़े स्तर पर हाईटेक इंफ्रास्ट्रक्वर विकसित किया जा रहा है। चार महीने में यह योजना जमीन पर पूरी तरह सिक्रय होगी। हर चयनित बच्चे को व्यक्तिगत प्रशिक्षण, प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग और डिजिटल ट्रल्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

15 लीटर अवैध शराब जब्त:दो अभियुक्त गिरफ्तार, आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों

को गिरफ्तार किया है। उनके पास से कुल लीटर कच्ची शराब बरामद की गई। यह गिरफ्तारी नजरूपुरवा दा0



भटपुरवा कला से की गई। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देश पर जनपद में अपराध नियंत्रण और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी ऋम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द उत्तम और क्षेत्राधिकारी इकौना भारत कुमार पासवान के कुशल पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई हुई। प्रभारी निरीक्षक लाल साहब सिंह के नेतृत्व में थाना नवीन मॉर्डर्न पुलिस थाना श्रावस्ती की टीम ने ननके उर्फ उत्तम चन्द्र राजभर पुत्र घनश्याम निवासी कोठार दाखिला शिवपुर बनकट और निबरे चौहान पुत्र रामपाल चौहान निवासी लखनउवा कोठार दा० तिलकपुर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से दो पिपिया में 10 लीटर और 5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज किया गया । पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मिशन शक्तिफेज-5.0 के तहत महिला सुरक्षा हेतु आयोजित हुई विशेष जनजागरूकता चौपालें

क्यूँ न लिखूँ सच/प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक

भाटी निर्देशन में मिशान शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत जनपद विभिन्न थानों में



केन्द्र टीमों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता को सशक्त करने के उद्देश्य से चौपालें आयोजित की गईं। अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारीगण के मार्गदर्शन में जनपद के समस्त थानो की मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं को महिला सुरक्षा योजनाओं, लैंगिक समानता, साइबर अपराध से बचाव, गुड टच-बैड टच महिला अधिकारों और शासन द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। महिलाओं और बालिकाओं को विधवा पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, कन्या सुमंगला योजना, मातृ वंदना योजना और हेल्पलाइन नंबर (1090, 1091, 112, 181, 1076, 1930) की जानकारी दी।

ग्रामीणों ने थाने में दी तहरीर, पैतृक भूमि होने का कर रहा किसान दावा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कथरामाफी में कालीमाई मंदिर की

विवाद सामने आया है ग्रामीणों के अनुसार यह भूमि शताब्दियों से मंदिर के



मान्यता है। इसी बीच मंदिर से सटे खेत के एक किसान ने दावा किया है कि विवादित भूमि उनकी पैतृक संपत्ति है और इसका मंदिर से कोई संबंध नहीं है। इस दावे के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई है। ग्रामीण अजय जायसवाल, संतोष पांडेय, सालिक राम गुप्ता, माता प्रसाद जायसवाल, किशुन जायसवाल, राम निवास पांडेय, राजेश पांडेय सहित अन्य लोगों ने इस संबंध में थाने में तहरीर

देकर न्याय की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर की जमीन पर किसी प्रकार का निजी दावा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। पुलिस ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि की है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से विवाद का समाधान कर धार्मिक स्थल की पवित्रता बनाए रखने की अपील की है।

Have you forgotten Akshara? The innocent TV bahu is actually quite glamorous.

Hina Khan, who made her mark in every household with the TV serial "Yeh Rishta Kya Kehlata Hai," needs no introduction. Today, we'll show you just how glamorous Hina, who always

appears so innocent on TV, truly is. household by playing the cultured the popular TV serial "Yeh Rishta of the most glamorous and stylish While she often sports a simple and modern, and fashionable real-life accounts. Hina Khan constantly stays trendy western looks, and stunning as they're posted on social media. Hina Khan looks confident and show you some of Hina Khan's bold fans stunned. The first look: You can from Hina Khan. Hina Khan's sari that you can't take your eyes off them. red sari. She paired this simple border embroidered deep-neck blouse. The Hina Khan on how to carry off an To enhance her look, the actress left it with a heavy maangtika. Heavy look: This look of Hina's is quite her style is worth seeing. To complete with a sequin-work skirt. She



Hina Khan, who made her mark in every and innocent sister-in-law Akshara in Kya Kehlata Hai," has now become one actresses in the entertainment industry. traditional look on TV, her bold, personality is evident on her social media in the spotlight with her elegant outfits, photoshoots. Her photos go viral as soon Whether it's Indian or Western wear, glamorous in every look. Today, we'll and stylish avatars, which leave even her learn how to look glamorous in a sari looks are so beautiful and glamorous For example, Hina looks stunning in this sari with a beautiful, heavily second look: You can also take tips from Indo-Western look in a stylish manner. her hair open with soft curls and paired earrings enhance her beauty. The third different and quirky, but even in this one, this look, the actress wore a silk shirt completed the look with a matching

necktie, which she looked absolutely stunning. Fourth Look: Black suits Hina beautifully, so you won't be able to take your eyes off her. In this black off-the-shoulder dress, Hina looks nothing less than a doll. She paired it with white heels. Her loose hair adds to her beauty. Fifth Look: Finally, let's take a look at the actress's boss lady look. Akshara is known as the boss lady, and this look suits her perfectly. Hina looks absolutely stunning in this dual-print co-ord set. She has kept her hair open and curled.

Sherlyn Chopra's home is absolutely luxurious; see photos from the balcony to the bedroom.

Sherlyn Chopra, who has always been in the news for her outspoken style, outspoken opinions, and lavish lifestyle, has been the subject of discussion with her luxurious Mumbai home. It's not just a home, but a beautiful symbol of her hard work, struggle, and success. Sherlyn Chopra is always in the news. These days, Sherlyn has been in the news for her breast implant removal. However, when she appeared in a video discussing breast implant removal after returning to her natural look, people's attention was more on her. In fact, Sherlyn shared information about her breast implant removal on her social media account. During this time, she was seen at her mesmerized. Her home was quite luxurious, resembling a luxury hotel from home. When citizens saw Sherlyn's home, they $\mathbf{w} \quad \mathbf{e} \quad \mathbf{r}$ the inside. Since then, Sherlyn Chopra, who has been in the news for her outspoken style, outspoken opinions, and lavish lifestyle, has been the subject of discussion with her luxurious Mumbai home. It's not just a house, but a beautiful symbol success. Sherlyn's house is like a of her hard work, struggle, and mini-palace - Sherlyn's house is located in a high-end, posh area of celebrities live. This apartment, ??Mumbai, where many top worth crores, is a blend of modernity and elegance that rivals any five-star suite. Living room - Her living room is the perfect blend of class and glam. The living room is marble flooring and floor-to-ceiling decorated in white and golden tones. Italian glass windows create a grand look. Minimalistic yet regal decor. Wall art also reflects her furniture has been used for the modern taste. This room looks like a magazine cover. Bedroom -Looking at the pictures of Sherlyn's bedroom, one can feel a paradise of luxury and comfort. Sherlyn's master bedroom features a soft pastel color theme, a velvet headboard, anti-stain lighting, and exclusive designer decor. Her walk-in wardrobe looks like the gown section of a fashion house, where the entire designer collection is at one place! Yoga Space- Sherlyn's walk-in wardrobe is so big and luxurious that Sherlyn does yoga and exercises here. She is often seen in this area. The decor of this space is also done beautifully and Luxury handbags are showcased through the glass walls. Mumbai skyline from her balcony. The most beautiful place in the in a minimalist style. Balcony- One can see the spectacular view of the morning coffee and shoots here. house is her huge balcony, from where the view of Mumbai is visible. Sherlyn often does yoga,

This leaf is a storehouse of many nutrients, including iron and calcium. Consuming it can help ward off many ailments.

Moringa leaves are highly beneficial for health, but surprisingly, very few people know about them. In this article, let's understand the importance of moringa leaves and learn about their

nutritional value. Commonly consumed as a nutritional "superfood," the benefits of which powerful that it contains more essential Especially in the case of calcium, it is nothing is rich in vitamins, antioxidants, and minerals, health. Regular consumption not only extremely beneficial for your skin and hair. this leaf in your diet. The Power of Calcium: calcium. Comparatively, dried moringa more calcium than milk. Calcium is essential consumption reduces the risk of diseases like muscle function. Vitamin C: Moringa leaves can be more than twice as high as an orange. strengthens your immune system. It is wounds, and promoting collagen production essential electrolyte that plays a vital role in contain approximately three times more maintain heart health and reduce muscle preventing anemia. Although spinach is a

vegetable in India, moringa leaves are a are unknown to many. This leaf is so nutrients than many popular foods. short of miraculous. Furthermore, moringa making it a complete food for overall strengthens your bones like iron, but is also Therefore, experts recommend including Moringa leaves are extremely high in powder contains approximately four times for strong bones and teeth. Regular osteoporosis and also supports proper are also a great source of vitamin C, which Vitamin C is a powerful antioxidant that essential for fighting infections, healing in the body. Potassium: Potassium is an regulating blood pressure. Moringa leaves potassium than bananas. This helps cramps. Iron: Iron is important for good source of iron, dried moringa leaves

contain approximately 10 times more iron than spinach. Iron is essential for hemoglobin production and oxygen transport throughout the body. Note: This article was compiled based on information collected from medical reports.

Her husband beat her publicly, two marriages ended... Her boldness made her Bollywood's 'sex symbol'.

In the 70s and 80s, there was a race for the number one position among many heroines. Meanwhile, Zeenat Aman entered Hindi cinema, the Zeenat Aman who gave a new identity to

boldness in Hindi cinema. However, personal life. Zeenat Aman became the sex Zeenat's hotness, but she was also there was a race for the number one was Zeenat Aman who gave a new identity called a heroine ahead of her time. Zeenat Today, we're going to tell you some stories identity with her bold image. When weren't as bold at the time. Neither was such scenes. However, it was Zeenat of heroines. After her father's death, she gradually became interested in Award. Eventually, Zeenat returned to launched her career with the film Hulchal. film career. Filmmakers were impressed other heroines of that era. Bold, (Zeenat Aman Bold). Zeenat was Meanwhile, Sanjay Khan entered conversations blossomed into love (Zeenat was pursuing would become a thorn in married. This happened while Sanjay knew about this. Just a few days after the



Zeenat faced considerable difficulties due to her symbol of Hindi cinema. People were fascinated by troubled by her personal life. In the 70s and 80s, position among many heroines. Meanwhile, there to boldness in Hindi cinema. Zeenat Aman who was Aman, with whom filmmakers lined up to work. from Zeenat Aman's life... She established her Zeenat Aman entered Hindi cinema, heroines there much boldness in films, nor were there any Aman who breathed life into the glamorous image Zeenat went to the University of California, where modeling. After this, she won the Miss Asia Pacific India and turned to Bollywood. In 1971, Zeenat Zeenat's first marriage to Sanjay Khan marked her by Zeenat's image. Zeenat was quite different from outspoken, and carefree, people loved Zeenat's style receiving offers for every other major film. Zeenat's life. Sanjay Khan and Zeenat's Sanjay Love Story). Who knew that the love Zeenat her side? In 1978, Zeenat Aman and Sanjay Khan Khan was already married. It is said that no one wedding, discord began between the two. When

Sanjay's wife, Zarine Khan, learned of this, further turmoil erupted. Sanjay had assaulted Zeenat. Zeenat and Sanjay were married, but the marriage did not last even a year. However, rumors of this marriage being a secret one persist. It is also said that Sanjay Khan once beat Zeenat Aman severely during a fight. Sanjay Khan's book, "The Big Mistakes of My Life," also mentions that Sanjay was notoriously short-tempered and easily angered. It is said that Sanjay's physical assault on Zeenat was so severe that her face was disfigured. However, Sanjay never openly acknowledged these details. Finally, fed up with Sanjay, Zeenat decided to break up with him. Meanwhile, Sanjay's wife, Zarine, threatened to break off all ties with him if he didn't leave her. Her second marriage, to Mazhar Khan, marked the beginning of Zeenat's love life. Even she hadn't imagined her relationship with Sanjay Khan would end so tragically. Zeenat began focusing on films, when love struck her again. In 1985, Zeenat married Mazhar Khan for the second time. Their marriage went well for a while, but later, problems began to arise. They had two children, while Mazhar's health deteriorated. Zeenat was also deeply troubled by the conflicts with her second husband, Mazhar. She even filed for divorce, but before that could happen, Mazhar Khan died of kidney failure in 1998. Meanwhile, Zeenat was also linked to Pakistani cricketer Imran Khan. However, this relationship with Imran Khan did not last long, as this cross-border love story also ended prematurely. Zeenat Aman starred in several blockbuster films and was even called Hindi cinema's first sex symbol. It was Zeenat's bold image that earned her these nicknames. Chura Liya Hai Song... Zeenat's stylish look and style in this song still captivates people (Zeenat Aman Songs). Sometimes she gave bold scenes in Qurbani, sometimes she captivated people by playing the hot Roma in Don. Zeenat Aman was the actress who brought about a change in Hindi cinema at that time. Even today, Zeenat is just as g

This actor will return as Spider-Man in Doomsday, raising fans' excitement!

"Avengers: Doomsday" is the next major film in the Marvel Universe, scheduled for release in 2026. The film will star actors like Vanessa Kibbee, Robert Downey Jr., and Lewis Pullman.

Reports suggest that fans' favorite hero, excitement. Will Spider-Man make a grand 2026 - This actor will play Spider-Man again. Doomsday. This film is based on Marvel news that will likely excite fans' curiosity. sci-fi film Avengers Doomsday, directed by seen in Avengers Doomsday - According to a industry Daniel Richtman, while sharing favorite Tobey Maguire can be seen again in Doomsday'. Whether Tobey Maguire will as Spider-Man in the full film, this still remains will be another big step of Marvel in the

announcement from the Marvel Universe

in Avengers: Doomsday. One user wrote, commented, "Oh my god...now we'll go see





Spider-Man, may also make an appearance, adding to fans' entry in Avengers: Doomsday? MCU sci-fi film to release in Fans are eagerly awaiting the upcoming sci-fi film, Avengers: Comics. While the film is still a long way from release, we have Everyone's favorite Spider-Man can make a comeback in the Anthony Russo and Joe Russo. Spider-Man's charisma will be news in Times of India, well-known expert of Hollywood information on his Patreon page, has told that everyone's the role of Spider-Man in the most awaited film 'Avengers have a cameo in Avengers Doomsday or he will be seen in action a suspense. If his entry in the sci-fi film is confirmed, then this multiverse era. However, there has been no official creators. Fans are excited to see Tobey Maguire as Spider-Man "This was the news we wanted to see." Another user this movie directly in the cinema." Another user wrote, "Marvel

was right, bring back memories. We need a box office comeback." However, according to Daniel Richtman, if Tobey Maguire doesn't appear as Spider-Man in the MCU's Avengers: Doomsday, he will definitely appear in their next franchise crossover, Avengers: Secret Wars. Tobey Maguire has played Peter Parker in all five Spider-Man film series. His character has become iconic.

The story of "Dhurandhar" is terrifying, inspired by true events and real people.

Dhurandhar will be released in theaters on December 5th, but the trailer has already sparked speculation about the film. As soon as Aditya Dhar revealed in the trailer that the story is inspired by real-life incidents, fans began speculating on social media about which actors were inspired by which real-life characters. The characters in "Dhurandhar" are inspired by real people. Aditya Dhar's film is inspired by real events - releasing in theaters in December 2025. The trailer for "Dhurandhar," released on YouTube two days ago, set the internet on fire. It has already received over 46 million views. Aditya Dhar, director of superhit films like "Uri: The Surgical Strike," took great care to maintain the suspense surrounding the characters and story. The trailer clearly reveals that the story unfolds in the world of India-Pakistan intelligence warfare, counter-terrorism operations, and covert operations. Aditya Dhar also revealed that the film's story is inspired by real-life events, prompting social media users to thoroughly investigate which actor's character is inspired by which real-life character. While Aditya Dhar has revealed the roles of all the actors, including Sanjay Dutt and R. Madhavan, Ranveer Singh's role in "Dhurandhar" remains unrevealed. The trailer suggests he's playing an undercover agent in Pakistan or an Indian Army soldier. However, based on his appearance, social media is speculating that he's playing Ashok Chakra winner Major Mohit Sharma. Major Mohit Sharma infiltrated the Hizbul Mujahideen terrorist group under the alias "Iftikhar Bhatt" and was martyred during an anti-terrorist operation in Kupwara, Jammu and Kashmir. He is known for his undercover operations. Arjun Rampal - The trailer for 'Dhurandhar' opens with Arjun Rampal torturing an Indian soldier with multiple fishing hooks stuck to his body. Arjun Rampal plays Major Iqbal, an ISI agent. In the trailer, Iqbal is shown recalling the time when former Pakistani President Muhammad Zia-ul-Haq said, "Cut India into a thousand pieces and shed its blood." This heart-wrenching scene is reminiscent of the time when Major Saurabh Kalia and other Indian Army officers were captured and tortured by the Pakistani Army during the Kargil War in 1999. Arjun Rampal's character in the film is said to be inspired by Ilyas Kashmiri, who was once called the new Osama bin Laden. R. Madhavan - In Dhurandhar, R. Madhavan plays Ajay Sanyal, a top officer in India's intelligence agency, known as the Research and Analysis Wing (R&AW). R. Madhavan's character in the film is inspired by Ajit Doval, the former National Security Advisor and former Intelligence Bureau Director. Ajit Doval is known for playing a key role in many efforts to counter extremism and terrorism. Akshay Khanna - Like Major Iqbal, 'Rehman Dakat' is a ruthless figure in Pakistani politics, as depicted in the trailer for Dhurandhar. As he says, he kills people like a butcher. According to Pakistani media, the character of Rehman Dakat is inspired by Sardar Abdul Rehman Baloch, a dangerous criminal in Karachi. 'Rehman Dakat' was accused of killing his own mother, Khadija Bibi, in his youth. In 2009, Rehman Dakat was killed in an encounter in Karachi's Steel Town area under the leadership of Superintendent of Police Chaudhry Aslam Khan. Sanjay Dutt - Sanjay Dutt plays Superintendent of Police Chaudhry Aslam in the film, a Pakistani police officer. From 2005 to 2014, he killed numerous terrorists, gangsters, target killers, and extortionists, including those associated with the Tehreek-e-Taliban Pakistan, the Balochistan Liberation Army, the TMP, Lashkar-e-Jhangvi, Lashkar-e-Taiba and Sipah-e-Sahaba were terrorists linked to Pakistan. On 9 January 2014, Chaudhry Aslam was killed in a bomb blast carried out by the TTP.